सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 83 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 05 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एसबीआई एससीओ भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

नईदिल्ली। स्टेट बैंक ऑफइंडिया ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है। अब इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 जनवरी 2026 तक इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया बैंक की आधिकारिक वेबसाइट sbi.co.in पर जारी है। यह दूसरी बार है जब एसबीआई ने एससीओ भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन की समयसीमा बढ़ाई है। इससे पहले आवेदन की आखिरी तारीख 5 जनवरी 2026 तय की गई थी। तारीख बढ़ने से उन उम्मीदवारों को राहत मिली है, जो किसी कारणवश समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को 8 लाख की सहायता

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा पीड़ित 02 परिवार को 08 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। कलेक्टर द्वारा दरभा तहसील के ग्राम निलेगोदी बोदेनार निवासी महेश कवासी की मृत्यु सांप काटने से पिता श्री देवलु को, तहसील तोकापाल के ग्राम करेंगा निवासी तेटकू की मृत्यु पानी में डूबने से पत्नि श्रीमती जाना बघेल को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

बुर्के-घूंघट वाली नहीं खरीद पाएंगी जेवर, सीसीटीवी हो जाता है बेकार

झांसी। झांसी में चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर सर्राफा व्यापार मंडल ने एक अनोखा, लेकिन सख्त फैसला लिया है। अब चेहरा ढककर आने वाले ग्राहकों को गहने नहीं बेचेंगे। महिला ग्राहक चाहे बुर्के में हो या घूंघट में, या फिर पुरुष ने नकाब पहना हो, किसी को ज्वेलर्स गहने नहीं दिखाएंगे। अगर गहने देखने या खरीदने हैं तो पहले चेहरे से नकाब, बुर्का और घूंघट हटाना होगा। इसको लेकर व्यापारियों ने अपनी दुकानों के बाहर पोस्टर लगाए हैं। जिसमें लिखा है- ग्राहकों से अनुरोध है कि कृपया दुकान के अंदर चेहरा खुला रखकर ही खरीदारी करें।

भारत में नहीं खेलेगी बांग्लादेश, आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक

नईदिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। तनाव को देखते हुए बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। साथ ही बांग्लादेश ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी है। बांग्लादेश के समाचार वेबसाइट द डेली स्टार के अनुसार अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाने का फैसला किया है।

रैबीज नोटीफायेबल डिजीज घोषित

नई दिल्ली। सरकार ने ह्यूमन रेबीज (इंसानों को रेबीज) को अब नोटिफायबल डिजीज घोषित कर दिया। यानी रेबीज का कोई भी संदिग्ध और कंफर्म केस सामने आते ही उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देना अनिवार्य होगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता वाली सरकार का कहना है कि इससे फैसले से रेबीज के मामलों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। मरीज के इलाज में देरी नहीं होगी।

11 जनवरी को गुजरात जाएंगे पीएम

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का दौरा करेंगे। इस दौरान वे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में भाग लेंगे, जो 8 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। इस चार दिवसीय आयोजन में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों की श्रृंखला चलेगी।

बस्तर के स्कूलों में अब विद्या समीक्षा केंद्र ऐप से लगेगी हाजिरी, शिक्षा विभाग ने जारी किया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले की शासकीय शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया को अब पूरी तरह से हाईटेक किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि अब से शासकीय स्कूलों में उपस्थिति सरकार द्वारा तैयार किए गए विद्या समीक्षा केंद्र मोबाइल ऐप से दर्ज की जाएगी। कवायद का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप रोज की उपस्थिति का डेटा शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र को भेजना है, जहां इसकी नियमित समीक्षा की जा सकेगी।

अनदेखी पर उपस्थिति मान्य नहीं

नई व्यवस्था को लागू करते हुए विभाग ने एक बेहद महत्वपूर्ण तकनीकी निर्देश भी दिया है, जिसकी अनदेखी करने पर शिक्षकों की उपस्थिति मान्य नहीं होगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शिक्षकों को यह मोबाइल ऐप विद्यालय परिसर में पहुंचने के बाद ही अपने फोन में इंस्टॉल और पंजीकृत करना होगा। दरअसल, पंजीकरण के समय ऐप जीपीएस तकनीक का उपयोग कर विद्यालय की लोकेशन को सेव कर लेता है।

घर से नहीं कर सकेंगे इस्तेमाल

यदि कोई शिक्षक विद्यालय से बाहर रहकर या घर से ऐप को इंस्टॉल या रजिस्टर करने का प्रयास करता है, तो सर्वर में पहले से मौजूद विद्यालय की लोकेशन और शिक्षक की वर्तमान लोकेशन आपस में मेल नहीं खाएगी। ऐसी स्थिति में लोकेशन मैच न होने के कारण शिक्षक अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाएंगे, इसलिए सभी को विद्यालय में उपस्थित होकर ही इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया पूरी करने की हिदायत दी गई है।

ब्रश करते समय फटी गर्दन की नस रायपुर में मरीज को मिली नई जिंदगी

स्पॉन्टेनियस कैरोटिड आर्टरी रप्चर का छत्तीसगढ़ में पहला सफल उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक बार फिर चिकित्सा जगत में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। गर्दन की मुख्य धमनी कैरोटिड आर्टरी के अपने आप फट जाने जैसी अत्यंत दुर्लभ और जानलेवा स्थिति में हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने समय रहते जटिल सर्जरी कर 40 वर्षीय मरीज की जान बचा ली। यह मामला न केवल छत्तीसगढ़ में पहली बार सामने आया है। विश्व मेडिकल जर्नल में ऐसे केवल 10 ही प्रकरण दर्ज हैं।

रायपुर निवासी 40 वर्षीय मरीज जब सुबह घर पर दांत साफ कर रहा था, तभी अचानक उसके गले में तेज दर्द हुआ और देखते ही देखते पूरे गर्दन में सूजन आ गई। कुछ ही क्षणों में मरीज बेहोश हो गया। परिजन उसे तत्काल अम्बेडकर अस्पताल के आपातकालीन विभाग लेकर गए। गर्दन के नसों की सीटी एंजियोग्राफी जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि मरीज की दायीं कैरोटिड आर्टरी फट चुकी है और उसके चारों ओर गुब्बारानुमा संरचना बन गई है, जिसे कैरोटिड आर्टरी स्यूडोएन्युरिज्म कहा जाता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मरीज को तत्काल हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में में डॉ कृष्ण कांत साहू के पास भेजा गया।

जोखिमभरी थी सर्जरी

यह ऑपरेशन अत्यंत जोखिमपूर्ण था। गर्दन में खून के अत्यधिक जमाव के कारण धमनी को पहचानना बेहद कठिन था। जरा सी चूक से मरीज की जान जा सकती थी या ऑपरेशन के दौरान मस्तिष्क में खून का थक्का पहुंचने से लकवा या ब्रेन डेड होने का खतरा था। कई घंटे चले इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन में बोवाइन पेरिकार्डियम पैच की सहायता से फटी हुई कैरोटिड आर्टरी को अत्यंत सावधानीपूर्वक रिपेयर किया गया। वर्तमान में मरीज पूरी तरह स्वस्थ है।

अपने आप कैरोटिड आर्टरी का फटना अत्यंत दुर्लभ

अपने आप कैरोटिड आर्टरी का फटना चिकित्सा जगत में अत्यंत दुर्लभ माना जाता है। कैरोटिड आर्टरी गर्दन के दोनों ओर स्थित प्रमुख धमनी होती है, जो हृदय से मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह सुनिश्चित करती है। इसके क्षतिग्रस्त होने पर मरीज की जान को खतरा होता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने दी बधाई

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस दुर्लभ मामले की सफल सर्जरी एवं अभूतपूर्व सफलता पर चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संतोष सोनकर सहित हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी टीम को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

दिल्ली दंगा : उमर खालिद व शरजील इमाम को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज साल 2020 के दिल्ली दंगा मामले में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने फैसले में कहा कि लंबे समय तक जेल में रहना जमानत का आधार नहीं बन सकता। इन दोनों को जमानत देने से इनकार करने के अलावा कोर्ट ने मामले के अन्य आरोपियों- गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम इस मामले के अन्य आरोपियों की तुलना में अलग स्थिति में हैं। कोर्ट ने साफकिया कि मुकदमे के ट्रायल में हो रही देरी को 'ट्रंप कार्ड' की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ऐसा करने से वैधानिक

सुरक्षा उपाय स्वत: ही निरस्त होने का खतरा है। अदालत ने कहा कि दोनों के खिलाफ यूएपीए के तहत प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर हैं, इसलिए इस स्तर पर दोनों को राहत नहीं दी जा सकती।

10 दिसंबर को जमानत पर सुरक्षित रखा था फैसला

बता दें कि विगत 10 दिसंबर, 2025 को सभी आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने 18 दिसंबर तक दोनों पक्षों को अपनी दलीलों के समर्थन में तमाम दस्तावेज जमा कराने भी कहा था।

सेंट्रल-जेल में रेप के आरोपी ने लगाई फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर सेंट्रल जेल में रविवार शाम करीब 6 बजकर 45 मिनट पर एक विचाराधीन कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कैदी सुनील महानंद पॉक्सो के मामले में 11 नवंबर 2025 से जेल में बंद था। पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी ललिता महानंद बेहोश हो गई। घटना गंज थाना क्षेत्र की है।

इस मामले में परिजनों का कहना है कि, महानंद को जेल में लगातार मेंटली और फिजिकली

टॉर्चर किया जा रहा था। जेल के बाहर परिजन, समाज के लोग और कांग्रेस नेता धरने पर बैठे है। पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। जेलर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालांकि, जेल प्रशासन ने मेंटली और फिजिकली किसी भी तरह के टॉर्चर की बात का खंडन किया है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम सुनील महानंद (30) अचानक टहलते हुए जेल में लगे पीपल के पेड़ के पास पहुंचा। जहां पेड़ की टहनी पर गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उसे देखकर मौके पर मौजूद पहरेदारों ने पेड़ से नीचे उतारा, तब उसकी सांसें चल रही थी। तत्काल उसे मेकाहारा रवाना किया, लेकिन हॉस्पिटल पहुंचने से पहले उसने दम तोड़ दिया। यह पूरी घटना जेल के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जिसमें कैदी फांसी लगाते हुए दिखाई दे रहा है।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल, 15वीं बार जेल से बाहर आया

रोहतक। सुनारिया जेल में साध्वियों के यौन उत्पीड़न और पत्रकार की हत्या के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आ गया। उसे 40 दिन की पैरोल मिली है। सोमवार करीब साढ़े 11 बजे वह सुनारिया जेल से सिरसा डेरे के लिए रवाना हुआ। गुरमीत राम रहीम को लेने के लिए सिरसा डेरे से लग्जरी गाड़ियों का काफिला पहुंचा, जिसमें दो बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर, 2 फॉर्च्यूनर व 2 अन्य गाड़ियां शामिल रहीं। इस बार डेरा मुखी 15वीं बार पैरोल या फरलो लेकर जेल से बाहर आया है। इससे पहले डेरा मुखी राम रहीम 15 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाने के लिए जेल से बाहर आया था।

बिजली चोरी : मिनी पावर स्टेशन बनाकर कर रहे थे सप्लाई

संभल ए.। संभल में बिजली चोरी के खिलाफअभियान में बड़ा खुलासा हुआ है। इस दौरान एक चौंकाने वाली बात सामने आई। कुछ जगहों पर 50-60 घरों को एक ही सोर्स से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। जांच में पता चला कि एक व्यक्ति ने अवैध रूप से एक मिनी पावर स्टेशन स्थापित कर रखा था। यह पूरा सिस्टम भूमिगत (अंडरग्राउंड) था, जिसे पकड़ना बेहद मुश्किल था। इस मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी थी।

7 टीमों ने चलाया विशेष अभियान

डीएम राजेंद्र पेंसिया के निर्देश पर 7 टीमों ने बिजली चोरी रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। पकड़े गए उपकरणों और चोरी की मात्रा के आधार पर संबंधित व्यक्ति पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही, आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत एक और प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस प्रकार की चोरी से न केवल सरकारी राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि यह आम उपभोक्ताओं के लिए भी परेशानी का सबब बनती है क्योंकि इससे बिजली आपूर्ति में बाधा आती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी जहाज 'समुद्र प्रताप' को कमीशन किया, पहली बार दो महिला अधिकारी तैनात

पणजी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोवा में पहले स्वदेशी जहाज समुद्र प्रताप को कमीशन किया। प्रदूषण को कंट्रोल करने वाले इस जहाज को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। 114.5-मीटर लंबे इस शिप में 60 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामान लगे हैं। 4,200 टन के इस जहाज की गति 22 नॉटिकल माइल से ज्यादा है और यह 6,000 नॉटिकल माइल तक चल सकता है।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल अशोक कुमार भामा की कमान वाली इस शिप में 14

अधिकारी और 115 जवान हैं। इसमें पहली बार दो महिला अधिकारियों की नियुक्ति भी शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत समुद्र के संसाधनों को मानवता की साझा विरासत मानता है। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य महिला सशक्तिकरण है और तटरक्षक बल ने इस दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं। महिला अधिकारियों को पायलट, ऑब्जर्वर, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और लॉजिस्टिक्स ऑफिसर जैसी अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सरगुजा में विजिबिलिटी 10 मीटर, तीन दिन कड़ाके की ठंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्तर से आ रही हवा से सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा जिले में सोमवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा, कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर से कम थी। हालात ऐसे रहे कि वाहन चालकों को दिन में भी लाइट ऑन कर वाहन चलाने पड़े। यहां रात का पारा 4.8 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले तीन दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री

सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इससे रात और सुबह के समय ठंड का असर बढ़ेगा। वहीं सरगुजा, रायपुर और बिलासपुर संभाग के एक-दो जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। इसे देखते हुए सुबह और रात के समय सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। हालांकि इसके अलावा अगले 24 घंटे में मौसम कोई विशेष बदलाव होने की संभावना मौसम विभाग ने नहीं जताई है।

ये छुटभैया है साहब! माफ कर दो

आम धारणा है कि भाजपा की सरकार अपने कामकाज के बल पर नहीं बल्कि कांग्रेस और मुस्लिमों के प्रति क्रोध के कारण सत्ता में है। इसलिए इसके छुटभैया नेता लगातार अनर्गल बातें करते हैं। एक आदमी तो ऐसा करते-करते मुख्यमंत्री तक बन गया। ऐसे नेता न केवल खुद को इतिहास का महापंडित समझते हैं बल्कि हिन्दुत्व के सबसे बड़े झंडाबरदार भी माने जाते हैं। जिन्हें अपने जिले का इतिहास तक पता नहीं उन्हें भी 16वीं-17वीं सदी का इतिहास कंठस्थ है। अपने गांव-गली की खोज-खबर नहीं और बातें ईरान-इराक, फ्रांस जर्मनी की करते हैं। एक समय तक यह सब ठीक भी था। इसीसे एक माहौल बना। पर यह सब लंबे समय तक नहीं चलता। रैली-सभा-मेला कितना भी बड़ा क्यों न हो, कितना भी आलीशान क्यों न हो, अंत-पत लौटकर घर ही आना होता है। वहां राशन का खर्चा, बिजली का बिल, शिक्षा और स्वास्थ्य की चिंताएं ही सबसे बड़ी होती हैं। अनर्गल प्रलाप वाली यही जमात पश्चिम बंगाल में सक्रिय है। वह मुख्यमंत्री को मुसलमान बताती है। वनवासियों के समूहों को अलग-अलग नहीं पहचानने वाले भी सूंघ कर रोहिंग्या बता देते हैं। ऐसे ही कुछ नेताओं ने टिप्पणी की कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का नाम एसआईआर में नहीं होना चाहिए। इसकी कोई जरूरत नहीं थी। निर्वाचन आयोग इसी दिशा में काम कर रहा है। 24 परगना जिले में एक मतुआ पंडित के साथ मारपीट भी हो गई। यह समुदाय उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नदिया जिलों में निर्णायक भूमिका निभाता है। अब भाजपा बैकफुट पर है। बड़े नेता कह रहे हैं कि छोटा है, गलती हो गई। बच्चा समझकर जाने दो। ये पार्टी के विचार नहीं है। वो सही भी कह रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री क्रिसमस पर चर्च जाते हैं पर माहौल बनाने वाले क्रिसमस ट्री उखाड़ते हैं, रैली पर हमला करते हैं, शवों को दफनाने के लिए जमीन नहीं देते। एक माहौल बनाता है, दूसरा उसका फायदा उठाता है। यदि देश में अमन-चैन चाहिए तो पार्टी को ऐसे नेताओं को सख्त निर्देश देने चाहिए। यदि देश में आंतरिक शांति ही नहीं रही तो महाशक्ति बनना केवल एक सपना बनकर रह जाएगा।

वेनेजुएला पर ट्रंप की कार्रवाई पर भारत ने दी प्रतिक्रिया

नईदिल्ली। वेनेजुएला में तेजी से बदलते राजनीतिक और सुरक्षा हालात को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि भारत सरकार वेनेजुएला की स्थिति पर लगातार करीबी नजर बनाए हुए है और वहां के लोगों की सुरक्षा व भलाई को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत ने साफ किया है कि वह किसी भी तरह की हिंसा या टकराव के पक्ष में नहीं है और मौजूदा संकट का समाधान केवल शांतिपूर्ण संवाद के जरिए ही संभव है।

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि भारत सभी संबंधित पक्षों से अपील करता है कि वे संयम बरतें और बातचीत के माध्यम से मौजूदा विवादों को सुलझाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। किसी भी प्रकार की हिंसा या सैन्य टकराव से हालात और बिगड़ सकते हैं, जिसका सीधा असर आम नागरिकों की सुरक्षा पर पड़ेगा।

संपादकीय

वेनेज़ुएला पर हमला

अमेरिकी निरंकुशता वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

> “ वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेज़ुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफ़ग़ानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेज़ुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

सोमनाथ : अटूट आस्था के 1000 वर्ष

नरेंद्र मोदी

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है:

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है।

हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की।

उन्होंने कहा, दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।

ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा,

भवबीजा-रजनना रागाद्याः क्षयमुपगता यस्य।

अर्थात्, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं। आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है। 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है।

अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है। अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है।

जय सोमनाथ !

(नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।)

कहीं सर्दियां आपको भी सुन्न तो नहीं कर रहीं, ठंड की छुट्टियां हमेशा सबसे खुशी का समय नहीं

सर्दियों की छुट्टियां हमेशा सबसे खुशी का समय नहीं होतीं। हम आम दिनों से ज्यादा व्यस्त रहते हैं। यही नहीं, सर्दियों की बीमारियों से भी लड़ रहे होते हैं। नतीजतन, हम बहुत ज्यादा तनाव में आ जाते हैं, जो हमारी ऊर्जा और फोकस को खत्म कर सकता है। सोशल मीडिया पर, इस भावना को कभी-कभी 'फंक्शनल फ्रीज' कहा जाता है।

यह स्थायी तनाव से पैदा होने वाली एक मानसिक स्थिति है, जब आप काम करने में सक्षम तो होते हैं, पर लगता है कि 'बस जी रहे हैं' और सिर्फ खानापूर्ति कर रहे हैं। लोग इसे 'थका हुआ और परेशान' होने जैसा बताते हैं। कुछ अन्य लोग बताते हैं कि, भले ही वे सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हों, पर वे उनका आनंद नहीं उठा पाते और 'भावनात्मक रूप से सुन्न' महसूस करते हैं।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जेनिना फिशर ने कहा कि लोग जिन लक्षणों की बात कर रहे हैं, वे मौसमी विकार, व्यक्तित्व ह्रास या पिछले आघात के लंबे असर से हो सकते हैं। यह उन कामों को करने के लिए लगातार खुद को संभालने का नतीजा है, जो करने ही होते हैं। इसलिए सबसे जरूरी मैसेज का जवाब मिल जाता है। काम के असाइनमेंट पूरे हो जाते हैं। बच्चों को खाना खिला दिया जाता है। लेकिन आप जरूरी चीजों से ज्यादा कुछ भी करने के लिए खुद को मुश्किल से ही तैयार कर पाते हैं।

दूसरा पहलू - अंग्रेजों के काले इतिहास की गवाह लाल सड़क

गुरदीप सिंह

13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में हुआ नरसंहार आज भी चीख-चीख कर अंग्रेजी हुकूमत के जुल्म की गवाही देता है। ऐसी ही एक दास्तां हरियाणा में 23वां जिला बनाए गए हांसी के इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बात 1857 की है। जब आजादी के पहले स्वतंत्रता संग्राम की दहकती आग में हांसी के क्रांतिकारियों ने भी आहुति दी थी। दिन-दहाड़े क्रांतिकारियों ने हिसार में डिप्टी कलेक्टर बेडर्नबर्न की कोर्ट रूम में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना से अंग्रेजी हुकूमत बौखला गई और लोगों पर कहर बरपा दिया। आसपास के गांवों के हजारों क्रांतिकारियों को हांसी लाकर एक सड़क पर लिटाकर गिरड़ी (पत्थर से बना एक भारी औजार, जिसका प्रयोग अनाज निकालने के लिए किया जाता है) से कुचल दिया गया। सड़क क्रांतिकारियों के खून से सनकर लाल हो गई, तो उसका नाम पड़ा 'लाल सड़क'।

यह सड़क अंग्रेजों की दमनकारी नीति के साथ-साथ उन शूरमाओं की अमिट गाथा की

दास्तां का प्रतीक बन चुकी है, जिन्होंने घुटने टेकने की बजाय स्वाभिमान को चुना। न जाने कितने ही वीर बांकुरों ने आजादी के लिए अपने प्राणों को बलिदान कर दिया। अंग्रेजों ने हांसी में आकर सैनिक छावनी और स्कीनर हॉर्स रेजिमेंट भी बनाई थी। 1832 में हिसार को जिला बनाकर हांसी को उपमंडल भी बनाया, यह सोचकर कि यहां से लंबे अर्से तक ब्रिटिश शासन की जड़ों को फैलाते रहेंगे, लेकिन वे यह भूल बैठे थे कि हांसी के लोगों की रगों में खून के साथ विद्रोह की आग भी दौड़ रही थी। जिन जड़ों को अंग्रेज मजबूत करना चाहते थे, उन्हें यहां के शूरवीरों ने उखाड़ फेंकने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इतिहासकार जगदीश सैनी बताते हैं कि सैनिक विद्रोह में हुकमचंद जैन, फक्कीर चंद, मिर्जा मुनीर बेग और मुर्तजा बेग ने तन-मन-धन से क्रांतिकारियों का सहयोग किया था। इस आरोप में अंग्रेजों ने राजद्रोह के तहत उन्हें घर के सामने फांसी पर लटका दिया। परंपरा के उलट हुकमचंद जैन को अंग्रेजों ने दफनाया, जबकि मुनीर बेग को फांसी के बाद जला दिया गया था। उस समय घटे इन वाकयों की जानकारी तो भले ही किताबों में दर्ज है, लेकिन ब्रिटिश काल के अत्याचार से जुड़ी दास्तां लाल सड़क पर रखे हर कदम के साथ सदा के लिए जेहन में कौंधती रहेगी। हांसी के ऐतिहासिक किले के बिल्कुल पास बनी इस लाल सड़क को देखने आज भी लोग पहुंचते हैं। 1992 में इन क्रांतिकारियों की याद में बनाया गया शहीद स्मारक भी यहां विद्यमान है। हालांकि, वर्तमान में यह सड़क सीमेंट की बनी है, लेकिन इसे लाल रंग से रंगा गया है, ताकि अमर क्रांतिकारियों की गाथा लोग भूल न जाएं।

आखिरकार 2025 में श्रम अधिशेष का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 20वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि : श्रम-अधिशेष वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम-प्रधान निवेश से बचती रहीं।

श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार 2025 में सुधारा गया। अंततः श्रम सुधारों और वीबी-जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिशेष को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करती है।

अन्य श्रम-अधिशेष अर्थव्यवस्थाओं से सीख

चलिए, उन देशों से शुरुआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती —श्रम के अधिशेष का सामना किया। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्वानुमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए। भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतियों और जुर्मानों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम-प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया।शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाज़ारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने 29 श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारतङ्करोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोजगार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस?वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और बिना सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।

बिखराव से कार्यकुशलता की ओर

लगभग 100 श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना कीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ चिंता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब था—श्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे-मोटे रजिस्टर बनाना, अलग-अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाइयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत चूक भी आपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है। लिहाजा, कई व्यवसाय एक ही निष्कर्ष पर पहुँचे: विस्तार करने की बजाय छोटा, अनौपचारिक और कम श्रमिकों के साथ बने रहना ही अधिक सुरक्षित है। यह मानसिकता 2025 में बदलनी शुरू हुई। 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से व्यवस्था नियामकीय अव्यवस्था से निकलकर स्पष्टता की ओर बढ़ी। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न के माध्यम से अनुपालन को सरल

बनाया गया है; अब निरीक्षण दोष खोजने के बजाय सहयोग और सुविधा प्रदान करने लगे हैं; और सामान्य, रोज़मर्रा की त्रुटियाँ अब आपराधिक दंड को आमंत्रित नहीं करतीं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सरलीकरण श्रमिक के अधिकारों की कीमत पर नहीं हुआ है। मज़दूरी संरक्षण को सार्वभौमिक बनाया गया है, लैंगिक समानता को क़ानून में अंतर्निहित किया गया है, सामाजिक सुरक्षा का दायरा गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों तक बढ़ाया गया है, और प्रवासी श्रमिकों को पोर्टेबिलिटी का लाभ मिला है। अब औपचारिक रूप से श्रमिकों को नियुक्त करना किसी जोखिम को संभालने जैसा नहीं, बल्कि भरोसे के साथ उठाया जाने वाला कदम बन गया है—जिससे विकास, सुरक्षा और विस्तार तीनों एक साथ संभव हो पाए हैं।

उद्यमों को बढ़ने और कर्मचारियों को नियुक्त करने में सक्षम बनाना

कई वर्षों तक, विकास करना ही अपने आप में एक प्रकार का दंड था। किसी विनिर्माण कंपनी की कल्पना कीजिए, जो बड़े पैमाने पर पहुँचने की कोशिश कर रही हो: जैसे ही उसकी चुकता पूँजी 4 करोड़ रुपये को पार करती थी, वह अपनी लघु कंपनी के दर्जे को खो देती और उसी समय अधिक श्रमिकों को नियुक्त करने की आवश्यकता के बीच अनिवार्य कैश-फ्लो स्टेटमेंट, अतिरिक्त बोर्ड और ऑडिट आवश्यकताएँ, और कंपनी रजिस्ट्रार के पास विस्तृत वार्षिक फाइलिंग —जैसे भारी अनुपालनों में उलझ जाती। इसका जवाब कई व्यवसायों ने आकार को सीमित रखकर, संचालन को विभाजित करके या अनौपचारिक बने रहकर दिया।

यह स्थिति 2025 में बदल गई। अब कंपनियाँ 10 करोड़ रुपये तक की चुकता पूँजी के साथ लघु कंपनी की श्रेणी में बनी रह सकती हैं, जबकि एमएसएमई निवेश सीमा 2.5 गुना और टर्नओवर सीमा 2 गुना बढ़ा दी गई है। विकास अब अनुपालन संबंधी आघात का कारण नहीं बनता; बल्कि औपचारिकीकरण, विस्तार और नई भर्ती के लिए अवसरों का सृजन करता है, जो उद्यम आधारित रोजगार सृजन को नियामकीय जोखिम के स?थान पर समझदारी भरा विकल्प बनाता है।

वर्षों तक, श्रम कानून औपचारिक भर्ती को हतोत्साहित करते रहे, क?योंकि नियोक्ता पूर्ववर्ती दायित्व, पिछली तिथियों के बकाया भुगतान, और यहाँ तक कि कर्मचारी के पूर्व नियोक्ता से जुड़ी चूक के लिए भी दंडात?मक हर्जाने के जोखिम के कारण अक्सर कर्मचारियों को भविष्य निधि में नामांकित करने से बचते थे।

इस अनिश्चितता ने औपचारिक रोजगार को जोखिमपूर्ण बना दिया था, जबकि कड़े निकासी नियमों के कारण कर्मचारी संकट के समय अपनी बचत तक पहुँच नहीं पाते थे। 2025 में यह स्थिति बदल गई, जब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पहले शामिल न किए गए श्रमिकों के लिए बिना पिछली देयताओं या जुर्माने के एक बार के नामांकन की अनुमति दी और निकासी प्रक्रिया को सरल बनाया। पात्रता अवधि 12 महीने मानकीकृत कर दिए जाने और कुल कोष का 75न्न तक निकालना संभव हो जाने से, इन सुधारों ने नियोक्ताओं के लिए भर्ती जोखिम कम कर दिया है और औपचारिकीकरण की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया।

2025 के दूसरे प्रमुख श्रम सुधार ने विपक्ष को गलत कारणों से गुस्से से भर दिया। किसी ने यह नहीं कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण आय बढ़ाने में मदद नहीं की, लेकिन यह भी स्पष्ट था कि इसने टिकाऊ परिसंपत्तियाँ नहीं बनाई और तेजी से बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल नहीं कायम किया।

2005 में जब यह योजना शुरू हुई थी, तो ग्रामीण भारत में 5 में से 2 से ज?यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे; आज यह संख्या 50 में से 2 से भी कम रह गई है—यानी इसमें दस गुना कमी आई है। साथ ही, मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों ने बुआई और कटाई के चरम मौसम में कृत्रिम श्रम संकट पैदा किया और किसानों की लागत बढ़ा दी। इन बदलावों ने इस सुधार को अनिवार्य बना दिया।

इस पृष्ठभूमि में, विकसित भारतङ्गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 एक निर्णायक पुनःस्थापना का प्रतिनिधित्व करता है। कानूनी गारंटी अब 125 दिनों तक बढ़ा दी गई है, लेकिन नए कानून में बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिनों का विराम रखा गया है, ताकि किसानों की श्रम तक पहुँच सुनिश्चित हो सके। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का वास्तव में सृजन सुनिश्चित करते हुए जल सुरक्षा, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचना, रोज़गार-संबंधी अवसंरचना और आपदा से होने वाली हानि को कम करने के उपायों जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है। सभी निर्मित परिसंपत्तियाँ विकसित भारत राष?ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में एकत्र की जाती हैं, जिससे संगठित और समन्वित राष्ट्रीय विकास रणनीति सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार, भारत की श्रम नीति अतीत को नियंत्रित करने के बजाय अब भविष्य को सक्षम बनाने लगी है। अब श्रम को एक समस्या के रूप में नहीं देखा जाता जिसे नियंत्रित करना है, बल्कि इसे विकास, सम्मान और राष्ट्रीय परिवर्तन में एक साथी के रूप में देखा जाता है।

(पीआईबी कार्यालय द्वारा जारी)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

धनंजय दुर्ग जिला साहू संघ व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक नियुक्त

दुर्ग। दुर्ग जिला साहू संघ अध्यक्ष नंदलाल साहू ने रविवार को संघ कार्यालय साहू सदन केलाबाड़ी में अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया। उन्होंने समाज के धनंजय लक्ष्मन साहू को जिला साहू संघ के व्यापार प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया है। नवनियुक्त संयोजक धनंजय श्रवण बेटा, उत्कृष्ट युवा व कोरोना योद्धा सम्मान से नवाजे जा चुके हैं। वे समाज की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

आशीष नगर रिसाली में श्रीराम कथा शुरू, कलश यात्रा निकली

भिलाई। आशीष नगर, रिसाली स्थित दुर्गा मंच में श्रीराम कथा की शुरुआत रविवार से हुई। कथावाचक पं. अरविंद शुक्ला द्वारा श्रीराम कथा शुरू करने से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें लगभग 125 महिलाएं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन समिति के प्रमुख विपिन सिंह ने बताया कि कलश यात्रा कथा स्थल से निकलकर शीतला माता मंदिर में पूजा कर वापस वापस लौटी। शिव विवाह से कथा की शुरुआत की गई।

वृंदावन में बरसती है श्रीकृष्ण की कृपा : महंत गोपाल

भिलाई। सर्व हिंदू समाज भागवत कथा समिति के तत्वावधान में न्यू खुर्सीपार में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ की शुरुआत रविवार को हुई। दोपहर 3 बजे कलश यात्रा निकाली गई, जो नगर भ्रमण करते हुए सत्यनारायण धर्मशाला पहुंची। इसके बाद व्यास पीठ पूजन व आरती के साथ ठाकुरजी की स्थापना की गई। यजमान शारदा तोताराम अग्रवाल हैं। कथावाचक महंत गोपाल शरण देवाचार्य महाराज ने भागवत महात्म्य बताया।

चिंगरी में सात दिवसीय शिव महापुराण 13 जनवरी से

दुर्ग। मकर संक्रांति शिव चतुर्दशी व गुप्त नवरात्र के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन 13 से 19 जनवरी तक बस्ती पारा बाजार चौक, चिंगरी में किया जा रहा है। महाराज महेन्द्र पांडे, कथावाचन करेंगे। 13 जनवरी को कलश यात्रा, बेदी पूजन, 14 को शिव तत्व महिमा, नारद मोह, 15 को कुबेर चरित्र, शिव झांकी, शिवरात्रि महिमा, 16 को रुद्राक्ष एवं बिल्व पत्र की उत्पत्ति, 17 को समुद्र मंथन, गंगा अवतरण, दक्ष चरित्र, 18 को सती चरित्र, पार्वती शिव विवाह और 19 को कार्तिक जन्म एवं गणेश जन्म व विवाह, समस्त 12 ज्योतिर्लिंग कथा पार्थिव रुद्राभिषेक, हवन पूर्णाहुति, कपिला तर्पण होगा।

गिधवा में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ 10 से

उपरवाह। ग्राम गिधवा में जय मां शीतला सेवा परिवार ने 10 से 17 जनवरी तक आठ दिवसीय श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन रखा गया है। 10 को गणेश पूजन, कथा महात्मय, धुंधुकारी मोक्ष, 11 को शुकदेव जन्म, परीक्षित जन्म, परीक्षित श्राप, 12 को विदुर प्रसंग, ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, 13 को समुद्र मंथन, श्रीराम जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंगों पर प्रवचन सुनने को मिलेगा।

मानवीय पहल : केन्द्रीय जेल में निरुद्ध महिला बंदी के लिए सुरक्षित मातृत्व का किया प्रबंध

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन केन्द्रीय जेल दुर्ग के महिला प्रकोष्ठ में हत्या के अपराध में निरुद्ध एक महिला बंदी के गर्भवती होने की सूचना प्राप्त होते ही मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए त्वरित रूप से आवश्यक कदम उठाए गए।

प्राधिकरण ने प्रारंभिक अवस्था से ही महिला बंदी के स्वास्थ्य, गरिमा एवं मातृत्व अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्राधिकरण की सतत निगरानी में महिला बंदी का नियमित चिकित्सकीय परीक्षण सुनिश्चित किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों से समय-समय पर परामर्श, आवश्यक जांच, दवाइयों की उपलब्धता तथा गर्भावस्था के अनुरूप विशेष देखभाल की व्यवस्था की गई।

इसके साथ ही महिला बंदी को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराए जाने हेतु जेल प्रशासन से समन्वय स्थापित किया गया। पूरी गर्भावस्था अवधि के दौरान बंदी को मानसिक संबल प्रदान किया गया तथा उसे यह विश्वास दिलाया गया कि कानून एवं व्यवस्था के भीतर रहते हुए उसके स्वास्थ्य और मातृत्व का पूर्ण संरक्षण किया जाएगा। यह निरंतर प्रयास एक सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आया। 31 दिसंबर 2025 को बंदी द्वारा एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया गया। प्रसव सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ तथा प्रसवोपरांत माता एवं नवजात शिशु-दोनों पूर्णत: स्वस्थ पाए गए। यह घटना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग की मानवीय सोच, संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता एवं बंदियों के अधिकारों के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सशक्त उदाहरण है।

विधायक रिकेश ने किया वेंटीलेटर एम्बुलेंस सेवा का लोकार्पण, चिकित्सा की बड़ी सौगात

इससे पहले शुरू कर चुके हैं फ्री पैथोलॉजी टेस्ट और एक रुपए में एक्सरे की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छेरछेरा पुन्नी के अवसर पर शनिवार को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने वेंटिलेटरयुक्त एम्बुलेंस सेवा को हरी झंडी दिखाई है। श्री सेन ने बताया कि यह वेंटिलेटर एम्बुलेंस क्षेत्रवासियों के लिए किफायती दर पर आईसीयू टीम के साथ उपलब्ध होगी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में वेंटिलेटर-युक्त एम्बुलेंस न होने से कई गंभीर दिक्कतें होती थीं खासकर उन मरीजों के लिए जिन्हें सांस लेने में समस्या हो और जो गंभीर रूप से घायल हों। भिलाई के मरीज को शिफ्ट करने में अक्सर बाहर से वेंटिलेटरयुक्त एम्बुलेंस मंगानी पड़ती जिससे मनमाना किराया और काफी समय भी बेकार जाता था।

वैशाली नगर विधानसभा में वेंटिलेटरयुक्त एम्बुलेंस सुविधा होने से किफायती किराये पर मरीज गंतव्य तक समय पर पहुंच सकेगा।

वेंटीलेटर एम्बुलेंस के लिए लोग वैशाली नगर विधायक कार्यालय द्वारा जारी नंबर 8770528839 तथा जीवरानी देवी वेलफेयर सोसाइटी 6262888851, 6262888852 के माध्यम से सम्पर्क कर किफायती दर पर एम्बुलेंस सुविधा ले सकेंगे।

यह वेंटिलेटर एम्बुलेंस भिलाई-दुर्ग में 2100 तथा 5100 रूपये में राजधानी रायपुर तक सेवा देगी। अन्य राज्यों के हास्पीटल रेफर होने पर भी लोगों को किफायती किराये पर चिकित्सकीय टीम के साथ उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाएगी।

श्री सेन ने कहा कि वेंटिलेटर-युक्त एम्बुलेंस एक चलती-फिरती गहन चिकित्सा इकाई के रूप में काम करती है। इसमें मरीज को रास्ते में ही स्थिर किया जा सकता है। वेंटिलेटर युक्त एम्बुलेंस एक मोबाइल आईसीयू की तरह है, इसमें पोर्टेबल वेंटिलेटर, इसीजी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीट और ब्लड प्रेशर मॉनिटर जैसे जीवन रक्षक उपकरण हैं। साथ ही दवाएं, ऑक्सीजन सप्लाई और प्रशिक्षित क्रिटिकल केयर पैरामेडिक्स/नर्स भी मौजूद होंगी जो गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाते समय निरंतर श्वसन सहायता और निगरानी प्रदान करते हैं ताकि ऑक्सीजन की कमी न हो और समय पर इलाज मिल सके।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इससे पहले 14 जनवरी से एक रुपये में एक्सरे सुविधा मुहैया करने का ऐलान किया है। रिकेश ने कहा कि एक्सरे सुविधा एक रुपये में मिलने से लोगों को काफी फायदा होगा। समय और पैसों की भी बचत होगी। वह अस्पताल में गए बिना इस सेंटर पर आकर एक्सरे करवा सकते हैं। एक्स-रे एक जरूरत है क्योंकि यह हड्डियों के फ्रैक्चर, संक्रमण, ट्यूमर, दांतों की समस्याओं और शरीर के अंदर दूसरी परेशानी का पता लगाने में मददगार होती है। रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टरों को सही उपचार योजना बनाने और उपचार की प्रगति की निगरानी करने में मदद मिलती है. इससे अनगिनत जानें बचती हैं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

बता दें कि विधायक रिकेश सेन ने अपने आवास पर मुफ्त ब्लड टेस्ट की सुविधा पहले से शुरू कर रखी है जिसका हर रोज सैकड़ों लोगों को फायदा हो रहा है। यहां 31 तरह की जांचें मुफ्त में होती है। इससे लोगों को काफी मदद मिल रही है और उनका पैसा बच रहा है। हेल्थ सेक्टर में रिकेश सेन की तरफ से किया गया यह प्रयास सराहनीय है।

'अनमोल वचन' का सांसद बघेल ने किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। लोकसभा सांसद विजय बघेल के सेक्टर-5 भिलाई स्थित निवास में छत्तीसगढ़ मेहर समाज के गौरव, प्रसिद्ध लेखक एवं चिंतक डॉ. बलराम मिर्जा द्वारा लिखित प्रेरणादायी पुस्तक 'अनमोल वचन' का गरिमामय विमोचन संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पुस्तक का विधिवत विमोचन दुर्ग लोकसभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल के कर-कमलों से किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बघेल ने कहा कि डॉ. बलराम मिर्जा द्वारा रचित अनमोल वचन समाज को सकारात्मक दिशा देने वाली, प्रेरणा और संस्कारों से ओतप्रोत कृति है। ऐसी पुस्तकों से समाज में नैतिक मूल्यों, सामाजिक एकता एवं आत्मचिंतन को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने डॉ. मिर्जा को इस उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता हर प्रसाद आडिल, दुर्ग जिला मेहर समाज के अध्यक्ष कन्हैया लहरी, किशोर कनौजिया, रामब्रिज लहरी, तुलसी दक्षिणे, सुभाष दक्षिणे, बहादुर बघेल, रामचंद्र लहरे, सूखित राम लहरे, सिया राम रात्रे, कन्हैया रावते, जीवन डाडे, मिलाप आडिल, रंजन लाल मिर्जा, ईश्वर लहरी सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं ने डॉ. बलराम मिर्जा को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी तथा सांसद श्री बघेल के प्रति मेहर समाज की ओर से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीमद्-भागवत कथा मनोरंजन नहीं बल्कि आत्मरंजन का माध्यम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जवाहर नगर, दुर्ग में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा। पहले दिन सुबह वेदी पूजा और कलश यात्रा के साथ शुरुआत हुई। शिव मंदिर से पवित्र जल लेकर भक्तों ने भजन-कीर्तन करते हुए कॉलोनी भ्रमर्ण कया। इस दौरान कथावाचक पं. मनोज पांडेय ने मोक्षदायिनी श्रीकृष्ण कथा बताते हुए गोकर्ण प्रसंग से भागवत महात्म्य को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि पहले दिन की कथा को गोकर्ण कथा कहा जाता है, लेकिन उसका मूल भाव धुंधकारी के उद्धार से जुड़ा है। पाप की चर्चा सुनने से पाप का अंश लगने की शंका के कारण इसे गोकर्ण कथा के रूप में सुनाया जाता है। कथावाचक ने बताया कि भागवत कथा मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मरंजन का माध्यम है, जो भक्ति को पुष्ट करती है और मुक्ति का कारण बनती है। गया श्राद्ध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि गया जाकर पिंडदान करना श्रेष्ठ है, लेकिन पितरों से पिंड छुड़ाने का भाव नहीं।

शून्य दुर्घटना का लक्ष्य लेकर काम करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अभय मनोहर सप्रे, अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी (पूर्व न्यायमूर्ति, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया) की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलों में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने जनजागरूकता अभियान के माध्यम से दुर्घटनाओं में कमी लाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने वर्ष 2024 एवं 2025 की सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों के आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए कहा कि दोनों वर्षों में स्थिति लगभग समान है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने प्रशासन को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में और अधिक ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

श्री सप्रे ने दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर संवेदनशील क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट्स) की पहचान करने तथा वहां शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को लक्ष्य बनाकर 'जीरो विजन' के तहत कार्य किया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी लाई जा सके। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े दुर्ग संभाग के अन्य जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को प्रत्येक माह सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। अभियान के तहत संतुलित गति से वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीटबेल्ट के उपयोग, यातायात संकेतों के पालन तथा शराब पीकर वाहन न चलाने के विषय में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

श्री सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का प्रमुख कारण हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो। सभी वाहनों के बीमा, फिटनेस एवं चालकों के लाइसेंस की नियमित जांच की जाए।

श्री सप्रे ने सड़क सुरक्षा अभियान 2025 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं -जनआक्रोश नागपुर, दिशा ग्रुप भिलाई, इंद्रधनुष समूह भिलाई (बीएसपी), स्वयं सिद्धा संस्था भिलाई एवं मेरा युवा भारत दुर्ग को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

खरीफ वर्ष 2026 के लिए बीज तैयार करने की प्रक्रिया जारी

धान बीज उत्पादक किसानों को 1.59 करोड़ अग्रिम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में बीज प्रक्रिया केंद्र रुआबांधा द्वारा खरीफ वर्ष 2026 के लिए बीज तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। वर्ष 2025 में कुल 740 किसानों (1426.86 हेक्टेयर) का पंजीयन किया गया था। दुर्ग की प्रमाणीकरण संस्था ने खेतों का निरीक्षण कर किसानों को जरूरी सलाह दी है।

फसल की पैदावार के आकलन के आधार पर, बीज निगम द्वारा अब तक किसानों को 1,03,000 खाली बोरे उपलब्ध कराया जा चुका है। अभी तक 33967.77 क्विंटल उपार्जन हो चुका है तथा कृषकों की उपस्थिति

में संसाधन (ग्रेडिंग) का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

उप संचालक कृषि द्वारा आगामी खरीफ 2026 हेतु बीज मांग 35000 क्विंटल (अनुमानित) के विरूद्ध बीज निगम द्वारा लगभग 50000 किंवटल विभिन्न खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जाने का अनुमान है, जिससे कि दुर्ग जिला सहित राज्य के अन्य जिलों में भी बीज की पूर्ति संभव होगा।

बीज उत्पादक कृषकों को उनके द्वारा उत्पादित फसल पर अग्रिम राशि प्रति क्विंटल धान मोटा हेतु 1895/-, धान पतला / सुगंधित हेतु 1911/-, सोयाबीन हेतु 4262/-. अरहर हेतु-6400/, उड़द हेतु-6240 एवं मूंग हेतु-7014/- का प्रावधान किया गया है। 76 कृषकों को अग्रिम राशि रू. 15923821/- का भुगतान उनके खाते में स्थानांतरित की गयी।

कृषकों को यह समझाईस दी गई है कि वे कृपया अपने पूरे लाट के बीज का उपार्जन शीघ्र कराए ताकि अग्रिम राशि का भुगतान शीघ्र किया जा सके। बीज प्रबंधक एस.के. बेहरा ने बताया कि आज की स्थिति में धान की नवीन किस्मों का उपार्जन हो चुका है एवं अधिक से अधिक उपार्जन हेतु कृषि विभाग एवं बीज निगम द्वारा कृषकों से संपर्क किया जा रहा है।

शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण इमला, पहाड़ा, बारहखड़ी पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने विकासखंड धमधा एवं दुर्ग अंतर्गत अनेक शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री मिश्रा ने शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक शाला करेली, कन्हारपुरी, तुमाकला परसदाखुर्द, बोरी, सेमरिया, हसदा, लिटिया, सेवती, हिर्री के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के कक्षा स्तरीय योग्यता की जानकारी ली तथा बारहखड़ी, इमला, पहाड़ा, धाराप्रवाह हिंदी/अंग्रेजी वाचन, हैंडराइटिंग सुधार हेतु अभ्यास के संबंध में शिक्षको को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

इसी प्रकार हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूल धमधा, करेली, कन्हारपुरी, तुमाकला, बोरी, लिटिया, हिर्री में बोर्ड परीक्षाओं हेतु डीईओ कार्यालय से भेजे गए प्रश्न बैंक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने, 5 वर्षो के बोर्ड के प्रश्न पत्रों को हल कराने, उन प्रश्नों के आधार पर प्रति सप्ताह टेस्ट परीक्षा आयोजित करने के साथ ही मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को विद्यार्थियों को दे हुई त्रुटियों को सुधरवाने सहित प्रायोगिक परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए।

चिन्हांकित कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड की परीक्षा के लिए तैयारी कराए जाने तथा मेधावी छात्रों को व्हाट्शप ग्रुप के माध्यम से विशेषज्ञों से डाउट क्लियर करने का अवसर प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

टूकेश और प्रीति के विवाह में दावा-आपत्ति आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी सारंगढ़ बिलाईगढ़ कार्यालय के द्वारा जिले के आम लोगों को सूचित किया गया है कि आवेदक टुकेश कुमार भास्कर पिता धरमू निवासी ग्राम उलखर, तहसील सारंगढ़ जाति सतनामी और प्रीति यादव पिता तिलकराम जाति रावत निवासी ग्राम पिकरीपाली तहसील सरसींवा ने अधिवक्ता की ओर से विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत विवाह करने के लिए शपथ पत्र एवं दस्तावेज प्रस्तुत किया है। 15 जनवरी 2026 तक किसी भी व्यक्ति को इनकी शादी में कोई आपत्ति हो तो वह अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट सारंगढ़ में प्रस्तुत कर सकता है।

सुषमा प्रेम पटेल को अनवरत साहित्य सृजन सम्मान

रायपुर। साहित्य विधा साहित्यिक मंच द्वारा 4 जनवरी को वृंदावन हॉल, रायपुर में आयोजित लघुकथा साझा संग्रह 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' कार्यक्रम में निरंतर साहित्य-साधना हेतु सुषमा प्रेम पटेल को सम्मानित किया गया। ह्वाट्सऐप मंच पर वर्ष भर प्रतिदिन अनवरत सृजन के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि सुषमा प्रेम पटेल द्वारा विविध विषयों पर लगातार साहित्य साधना की जा रही है। उनके साहित्य में गहरी संवेदनशीलता है जो मनुष्य के मन को छूती है। उन्होंने अपने काव्य में आधुनिक समय की चुनौतियों के साथ मनुष्य के मनोविज्ञान पर अपनी सुंदर कलम चलाई है। इस अवसर पर मंच की संस्थापिका आ. डॉ. सरोज दुबे 'विधा', वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज एवं चितरंजन कर तथा छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग की सचिव डॉ अभिलाषा बेहार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जनसंपर्क विभाग के पूर्व अपर संचालक बीपी दुबे का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के प्रथम अपर संचालक रहे बी.पी. दुबे का रविवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे और लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को गोरखपुर में किया जाएगा। स्वर्गीय श्री दुबे वरिष्ठ पत्रकार संजय दुबे के पिता थे। वे अपने पीछे तीन बेटियां और दो बेटे सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बी.पी. दुबे ने नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य में जनसंपर्क संचालनालय को सुदृढ़ और व्यवस्थित स्वरूप देने में अहम योगदान दिया था। साथ ही राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पत्रिका 'छत्तीसगढ़ संवाद' की स्थापना में भी उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही। उनके निधन से प्रशासनिक और पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है।

सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन सम्पन्न

रायपुर। सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ संत संगठन के संयोजकत्व में सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन एवं आध्यात्म सम्मेलन मेकाहारा सभागार में सुबह 11 से 3 बजे के मध्य सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में संत समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर संत कबीर के भजनों में डूबकर कार्यक्रम का आनंद लिया। छत्तीसगढ़ पद्श्री भारती बंधु एवं डॉ. सुरेश ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने संत कबीर के जीवन पर आधारित संदेशों को भजनों में बांधकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। विभिन्न समाज के समाजसेवकों को उनके द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। दुधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास द्वारा विभिन्न व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया।

अंतरराज्यीय विवाह प्रोत्साहन योजना ने किया अभिषेक-बबीता के सपनों को साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सामाजिक सद्भाव, समानता और जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा संचालित अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना आज वास्तविक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के युवा दम्पत्ति अभिषेक आदिले और बबीता देवांगन की कहानी समाज में नई उम्मीद और सकारात्मक बदलाव का संदेश देती है।

कोरबा के आदिले चौक, पुरानी बस्ती के निवासी अभिषेक आदिले हैं और जो अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं, तथा जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम चोरिया, तहसील सारागांव की रहने वाली 20 वर्षीया बबीता देवांगन, जो अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं, ने सामाजिक बाधाओं को दूर करते हुए अंतर्जातीय विवाह किया। दोनों परिवारों ने इस रिश्ते का सम्मान किया और समाज में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

अंतर्जातीय विवाह करने वाले दम्पत्तियों को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना के अंतर्गत इस दम्पत्ति को कुल 2.50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, कोरबा द्वारा इस राशि में से 1.00 लाख रुपए दम्पत्ति के संयुक्त बैंक खाते में प्रदान कर दिए गए हैं, जबकि शेष 1.50 लाख रुपए उनके उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए तीन वर्ष की सावधि जमा के रूप में निवेश किए गए हैं। यह आर्थिक सहायता उनके नए जीवन की शुरुआत को सरल बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार दोनों ही सामाजिक समरसता को मजबूत करने, जातीय भेदभाव को समाप्त करने और युवाओं को रूढ़िवादी सोच से मुक्त कर समानता के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। शासन द्वारा संचालित यह योजना समाज को अधिक संवेदनशील, एकजुट और प्रगतिशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का संदेश भी है, जिससे प्रेम, सम्मान और समानता की भावना को बल मिलता है।

अभिषेक और बबीता की यह पहल केवल एक विवाह का संस्कार नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि विश्वास और साहस हो तो जाति-पाति की दीवारें स्वयं ढह जाती हैं और मानवीय मूल्य ही समाज की असली पहचान बनते हैं। शासन की योजना से मिली सहायता ने उनकी नई यात्रा को सुरक्षित और स्थिर बनाया, जबकि उनकी आपसी समझ और दृढ़ता इस कहानी को और अधिक प्रेरक बनाती है।

कबीरधाम में रेंज के पहले साइबर थाने का उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले में साइबर अपराधों के विरुद्ध निर्णायक और दूरदर्शी कदम उठाते हुए उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने आज पूरे राजनांदगांव रेंज एवं जिले के प्रथम साइबर थाने का शुभारंभ किया। इसे कवर्धा के पुराने पुलिस लाइन में स्थापित किया गया है, इस थाने के जिले में स्थापना को जिले की कानून-व्यवस्था एवं डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज का युग डिजिटल है और शासन से लेकर आम नागरिक तक ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के साथ-साथ साइबर अपराधों की चुनौती भी बढ़ी है, जिससे आम नागरिक, महिलाएं, वरिष्ठजन और युवा वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में साइबर थाना की स्थापना आम जनता को त्वरित न्याय, सुरक्षा और भरोसा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि साइबर अपराधों में समय सबसे अहम होता है। यदि शुरुआती घंटों में सही कार्रवाई हो जाए तो ठगी की राशि रोकी जा सकती है और अपराधियों तक शीघ्र पहुंचा जा सकता है। साइबर

थाना के माध्यम से शिकायतों का तत्काल पंजीकरण, ऑनलाइन फ्रॉड की राशि को समय रहते होल्ड करना, डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक संकलन और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि यह थाना न केवल अपराध नियंत्रण का केंद्र बनेगा, बल्कि नागरिकों में डिजिटल जागरूकता और विश्वास भी बढ़ाएगा।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि साइबर थाना में एक निरीक्षक प्रभारी सहित कुल 30 प्रशिक्षित अधिकारी एवं कर्मचारियों की पदस्थापना की गई है। थाना के प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए उप पुलिस अधीक्षक स्तर के राजपत्रित अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे साइबर अपराधों की विवेचना उच्च गुणवत्ता और पेशेवर तरीके से की जा सके।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल, डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर, डीएसपी आशीष शुक्ला, साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कबीरधाम पुलिस की उपलब्धियों की जानकारी दी।

डिजिटल सुरक्षा को मिलेंगे नए आयाम

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद साइबर तकनीक के माध्यम से 112 ऑनलाइन ठगी मामलों में लगभग 50 लाख रुपये पीड़ितों को वापस कराए गए। पोर्टल की सहायता से 872 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए गए, जो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण का प्रमाण है। कबीरधाम जिले में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित विवेचना और डिजिटल सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि गंभीर अपराधों की विवेचना में कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन ट्रैकिंग और डिजिटल साक्ष्यों का उपयोग कर आरोपियों तक शीघ्र पहुंच बनाई गई है। महिलाओं और बच्चों से जुड़े साइबर अपराधों पर विशेष प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

धन्नू सिंह ने ऑफलाइन टोकन से बेचा 54.80 क्विंटल धान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ सरकार की पारदर्शी और किसान-हितैषी धान खरीदी व्यवस्था किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। सरकार की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को न केवल उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, बल्कि समय पर भुगतान और सम्मानजनक प्रक्रिया का अनुभव भी हो रहा है। ग्राम पेनारी निवासी किसान धन्नू सिंह की कहानी इसी व्यवस्था की एक प्रेरक उपलब्धि है।

धन्नू सिंह एक साधारण कृषक हैं, जिनकी आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है। इस वर्ष उन्होंने सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत ऑफलाइन टोकन के माध्यम से कोड़ा उपार्जन केंद्र में 54.80 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। उपार्जन केंद्र पर सुव्यवस्थित व्यवस्था, डिजिटल तौल कांटा, पारदर्शी सत्यापन प्रक्रिया और सहयोगात्मक स्टाफ ने धान खरीदी को सरल एवं सुगम बनाया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की व्यवस्था ने किसान को उसकी मेहनत का पूरा मूल्य सुनिश्चित किया।

धन्नू सिंह को धान विक्रय की राशि सीधे उनके बैंक खाते में समय पर प्राप्त हुई। पूर्व में धान विक्रय के दौरान तौल और भुगतान को लेकर अनिश्चितता रहती थी, लेकिन वर्तमान व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी, भरोसेमंद और किसान-अनुकूल है।

समय पर भुगतान से अब अपने बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और रबी की तैयारी बिना किसी चिंता के कर पा रहे हैं।

15 जनवरी को रायपुर में 5 लाख विद्यार्थी मिलकर करेंगे 'वन्देमातरम्' का गायन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र 15 जनवरी को एक नया इतिहास रचेगा, जब वंदे मातरम् गीत के 150 वीं वर्षगांठ पर 5 लाख विद्यार्थी एक साथ 'वंदे मातरम्' गायेंगे। कार्यक्रम की तैयारी के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सेना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 3000 से अधिक स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

क्षेत्र के 5 लाख विद्यार्थी एवं युवा 15 जनवरी को दोपहर 12:55 बजे एक साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान करेंगे। सुभाष स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 20 हज़ार युवा वंदे मातरम् गायन करेंगे. इस दौरान हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की जाएगी। साथ ही देशभक्ति गीत पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा।

कार्यक्रम संयोजक दानसिंह देवांगन ने बताया कि रायपुर भारत देश का पहला लोकसभा क्षेत्र है, जहाँ एक साथ-एक ही समय पर 5 लाख युवाओं द्वारा वंदे मातरम् का गायन किया जाएगा।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 3000 से अधिक स्कूल- कॉलेजों में वंदे मातरम् गीत का देश की आजादी में योगदान विषय पर स्थानीय विद्यार्थी द्वारा वाचन किया जाएगा। साथ ही सभी स्कूल और कॉलेजों में वंदे मातरम् के हिंदी अर्थ की कॉपी भी विद्यार्थियों को दिए जाएँगे।

धमतरी में महिला सशक्तिकरण की नई पहल

एनआईटी के सहयोग से मिलेगी उद्यमिता को नई ऊर्जा और तकनीक

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की विशेष पहल पर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी एवं एनआईटी रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से स्त्री स्कील्स डेवलपमेंट थ्रो टेक्नालाजी रिसॉर्सेस फॉर एम्पावरिंग इकॉनॉमिक ग्राथ ऑफ वुमेन परियोजना के अंतर्गत आज द्य एमओयू, दिल्ली में किया गया है। जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के तौर पर सीईओ जिला पंचायत गजेंद्र सिंग ठाकुर और सहायक संचालक कौशल विकास शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे।

धमतरी जिले के चयन का प्रमुख कारण जिले का 52 प्रतिशत वन क्षेत्र होना, ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं की बड़ी आबादी, हैंडलूम गतिविधियों की व्यापक संभावनाएं तथा उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की संभावनाएं हैं। इस परियोजना का क्रियान्वयन एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप एनआईटी आरआरआई एफआईई द्वारा किया जा रहा है, जो एक सेक्शन-8 कंपनी एवं टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर है।

यह परियोजना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसके तहत जिले में 90 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से महिला कौशल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना में सहयोग प्राप्त होगा।

इस परियोजना का क्रियान्वयन एनआईटी रायपुर के सहयोग से किया जाएगा, जिसके माध्यम से महिलाओं एवं महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही ग्रामीण, आदिवासी एवं शहरी महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्त्री परियोजना के माध्यम से जिले में स्किल सैटेलाइट सेंटर स्थापित किए जाएंगे। । इस पहल से 10 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित होंगी तथा 155 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सहयोग प्रदान किया जाएगा। 55 से अधिक महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के साथ-साथ 35 कौशल प्रशिक्षण एवं तकनीकी हस्तांतरण परियोजनाओं के जरिए समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को कोसा (रेशम) से फाइबर निष्कर्षण एवं प्रसंस्करण, फाइबर की सफाई व सुखाने की प्रक्रिया, बुनाई हेतु फाइबर तैयारी, आधुनिक बुनाई तकनीक, उत्पाद डिजाइन एवं विकास जैसे कपड़े, मैट और बैग निर्माण के साथ-साथ उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

समय पर भुगतान से निश्चिंत हुए किसान, बढ़ा आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 किसानों के लिए केवल धान विक्रय का दौर नहीं रहा, बल्कि यह भरोसे, सम्मान और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव बनकर सामने आया है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई पारदर्शी, तकनीक-संपन्न और किसान-केंद्रित धान खरीदी व्यवस्था ने वर्षों से किसानों के मन में जमी अनिश्चितता को दूर कर दिया है। अब किसान पूरे विश्वास के साथ अपनी फसल उपार्जन केंद्र तक लाता है, क्योंकि उसे यह भरोसा है कि उसकी मेहनत का पूरा मूल्य समय पर सीधे उसके बैंक खाते में पहुँचेगा।

इसी बदले हुए विश्वास की सजीव मिसाल हैं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम बरमपुर निवासी किसान दुर्गाप्रसाद पिता कंचनराम। वर्षों से खेती से जुड़े दुर्गाप्रसाद ने मौसम की मार,

बढ़ती लागत और बाजार की अनिश्चितताओं के बीच भी खेती से अपना नाता कभी कमजोर नहीं होने दिया। इस वर्ष प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की नीति और 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य ने उनके मन में स्थिरता और सुरक्षा का नया संबल भर दिया। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं था, बल्कि उस भरोसे का प्रतीक था, जिसमें किसान ने यह महसूस किया कि सरकार उसकी मेहनत को समझती है और उसके साथ मजबूती से खड़ी है।

तुंहर टोकन 24म7 व्यवस्था के अंतर्गत निर्धारित तिथि पर टोकन प्राप्त कर जब दुर्गाप्रसाद खड़गवां उपार्जन केंद्र पहुँचे, तो उन्हें धान खरीदी की पूरी तरह बदली हुई तस्वीर देखने को मिली। सुव्यवस्थित परिसर, बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और कर्मचारियों का सहयोगी व्यवहार यह दर्शाता है कि अब धान खरीदी प्रक्रिया में किसान की सुविधा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। न भीड़, न अफरा-तफरी और न ही अनावश्यक प्रतीक्षा, जिससे पूरी प्रक्रिया सहज, सुचारु और संतोषजनक रही।

धान खरीदी के दौरान डिजिटल तौल कांटे, फोटो आधारित सत्यापन और रियल टाइम डेटा एंट्री जैसी आधुनिक तकनीकों ने पूरी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व भरोसेमंद बना दिया। प्रत्येक चरण किसान की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिससे किसी भी प्रकार की शंका या भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं रही। तकनीक के प्रभावी उपयोग से न केवल समय की बचत हुई, बल्कि किसानों का व्यवस्था के प्रति विश्वास और भी गहरा हुआ।

6-8 जनवरी को रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए चयन ट्रायल

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में राज्य की ओर से खेलने वाली टीमों के चयन के लिए ट्रायल 6 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर और बिलासपुर में आयोजित किए जा रहे हैं। नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इसमें भागीदारी के लिए वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के खिलाड़ियों का ट्रायल रायपुर में आयोजित किया गया है। वहीं तीरंदाजी, एथलेटिक्स और तैराकी के खिलाड़ियों के ट्रायल बिलासपुर में होंगे। इच्छुक खिलाड़ी मोबाइल नम्बर 8871419609 पर फोन कर या वेबसाइट के माध्यम चयन ट्रायल संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ी अपना ऑनलाइन पंजीयन क्यूआर कोड और रजिस्ट्रेशन लिंक से कर सकते हैं। सभी ट्रायलस्थलों पर ऑफ्लाइन पंजीयन भी किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के स्थायी निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे।

मलाइका अरोड़ा का खुलासा कहा- महिलाओं पर उठते हैं सवाल; शादी पर कही ये बात

मलाइका अरोड़ा ने साल 2017 में पति अरबाज खान से तलाक ले लिया था। अब लगभग 8 साल बाद मलाइका ने बताया कि उनके फैसले का उस वक्त उनके परिवार ने भी विरोध किया था। साथ ही उन्होंने समाज पर भी तंज कसा।

जानिए एक्ट्रेस ने युवाओं की दी क्या सलाह

इन दिनों तलाक और शादी टूटने की खबरें ज्यादा आ रही हैं। हालांकि, अब तलाक को काफी हद तक समाज में स्वीकार किया जाने लगा है, लेकिन अभी भी देश के कई हिस्सों में तलाक एक टैबू बना हुआ है। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा का भी ये मानना है कि कुछ साल पहले जब उन्होंने पति अरबाज खान से अलग होने और तलाक लेने का फैसला लिया था, तब उन्हें भी परिवार और समाज की ओर से ताने सुनने को मिले थे।

लोगों ने मेरे हर फैसले का किया विरोध

बातचीत के दौरान मलाइका ने अपने तलाक के वक्त को याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे न सिर्फ जनता से, बल्कि अपने दोस्तों और परिवार से भी आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ा था। उस समय मेरे हर फैसले पर सवाल उठाए गए। फिर भी मुझे खुशी है कि मैं अपने फैसलों पर अडिग रही। मुझे कोई पछतावा नहीं है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होगा। लेकिन उस समय मुझे पता था कि मुझे अपने जीवन में यह कदम उठाना ही होगा। मुझे लगा कि मेरे लिए खुश रहना जरूरी है। लेकिन कोई इसे नहीं समझता। वे कहते हैं, 'आप अपनी खुशी को सबसे पहले कैसे रख सकती हैं?' लेकिन मैं अकेले रहने में ठीक थी। ज्यादा से ज्यादा क्या होता? कुछ समय के लिए काम नहीं मिलता।

पुरुषों से नहीं पूछे जाते सवाल

मलाइका ने लोगों की उस सोच पर भी निशाना साधा, जो पुरुषों से जीवन और करियर में विकल्प चुनने पर कोई सवाल नहीं करते। अभिनेत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से ये सवाल कभी नहीं पूछे जाते। कोई हैरानी नहीं जताता। एक हद तक यह मान लिया जाता है कि हम एक पितृसत्तात्मक समाज में रहते हैं। पुरुषों के मामले में कुछ पहलुओं पर कभी कोई आलोचना नहीं होती। लेकिन अफसोस कि महिलाओं को इसका खामियाजा रोज भुगतना पड़ता है। अगर कोई महिला पारंपरिक राहों से हटकर कुछ अलग करती है, तो वह आदर्श महिला नहीं रह जाती। तुरंत ही बातें बनने लगती हैं और उंगलियां उठने लगती हैं। लेकिन अगर आप इन सबसे हटकर कुछ अलग करती हैं, अपना जीवन बनाती हैं, एक मिसाल कायम करती हैं।

मैं अभी भी शादी में भरोसा करती हूं

इस दौरान मलाइका ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी भी शादी पर भरोसा है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जब तक यह स्वाभाविक रूप से न हो, तब तक वह इसे अपने लिए आदर्श नहीं मानतीं। मैं विवाह में विश्वास करती हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह मेरे लिए ही बना है। अगर ऐसा होता है, तो बहुत अच्छा। लेकिन मैं इसकी तलाश में नहीं हूं। मैं बहुत संतुष्ट हूं। मेरी शादी हुई थी। फिर मैं उससे आगे बढ़ गई। मैं कई रिश्तों में रही हूं। लेकिन मैं इससे ऊब नहीं गई हूं। मुझे अब भी अपना जीवन प्यारा है। मुझे प्यार पाना और प्यार बांटना पसंद है। मुझे ऐसी स्थिति में रहना पसंद है जहां मैं किसी खूबसूरत रिश्ते को संवार सकूं। इसलिए मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। लेकिन साथ ही मैं इसकी तलाश में नहीं हूं। अगर ऐसा होता है, अगर यह मेरे दरवाजे पर दस्तक देता है, तो मैं स्वीकार कर लूंगी। साथ ही उन्होंने युवाओं को ये भी सलाह दी कि कम उम्र में शादी न करें।

2017 में हुआ था मलाइका-अरबाज का तलाक

मलाइका अरोड़ा ने साल 1998 में सलमान खान के भाई व अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी। लगभग 18 साल तक साथ रहने के बाद साल 2016 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद साल 2017 में मलाइका और अरबाज ने आधिकारिक रूप से एक-दूसरे से तलाक ले लिया था। उसके बाद मलाइका का नाम अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ भी जोड़ा गया। फिलहाल अब मलाइका और अर्जुन भी अलग हो चुके हैं।

15 साल बाद माही विज और जय भानुशाली ने अलग होने का किया ऐलान, बोले- 'बच्चों की खातिर हमेशा साथ रहेंगे'

टीवी के चर्चित कपल रहे जय भानुशाली और माही विज ने शादी के 16 साल बाद एक दूसरे से अलग होने का एलान कर दिया है। दोनों ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि दोनों बच्चों के लिए एक साथ रहेंगे।

टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे चहेती जोड़ियों में गिने जाने वाले माही विज और जय भानुशाली ने अपने रिश्ते को लेकर ऐसा फैसला लिया है, जिसने फैंस को हैरानी में डाल दिया है। करीब 16 साल की शादी और लंबे साथ के बाद इस स्टार कपल ने अलग होने की घोषणा कर दी है। हालांकि दोनों ने साफ कर दिया है कि यह फैसला किसी विवाद या नकारात्मकता का नतीजा नहीं है, बल्कि शांति और समझदारी के साथ लिया गया एक फैसला है।

सोशल मीडिया पर जारी किया स्टेटमेंट

सोशल मीडिया पर साझा किए गए संयुक्त बयान में माही और जय ने न सिर्फ अपने अलग होने की पुष्टि की, बल्कि यह भी भरोसा दिलाया कि वे अपने तीनों बच्चों के लिए हमेशा एकजुट रहेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक जैसा नोट शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने जिंदगी के सफर में अब अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भले ही वे पति-पत्नी के रूप में साथ न हों, लेकिन एक-दूसरे के लिए सम्मान, सहयोग और दोस्ती हमेशा बनी रहेगी।

बयान में यह भी साफ किया गया कि इस फैसले में कोई 'विलेन' नहीं है, न ही किसी तरह की कड़वाहट। दोनों ने फैंस और मीडिया से अपील की कि वे इस फैसले को ड्रामा या विवाद की तरह न देखें, बल्कि शांति और समझ के साथ स्वीकार करें।

'हमारे बच्चों के लिए सबसे अच्छे माता-पिता बनेंगे'

इस पूरे ऐलान का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। माही और जय ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा उनके बच्चे रहेंगे- तारा (उनकी बायोलॉजिकल बेटी), खुशी और राजवीर (जिन्हें उन्होंने गोद लिया है)। उन्होंने लिखा कि बच्चों की भलाई के लिए वे न सिर्फ जिम्मेदार माता-पिता बनेंगे, बल्कि जरूरत पड़ी तो एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त भी रहेंगे। उनका कहना था कि बच्चों की परवरिश, सुरक्षा और खुशी के लिए वे हर मुमकिन कदम साथ मिलकर उठाएंगे।

कब शुरू हुई थीं अलगाव की चर्चाएं?

माही विज और जय भानुशाली के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ महीनों से अटकलें लगाई जा रही थीं। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा था और वे अलग-अलग दिशा में आगे बढ़ रहे थे। लंबे समय से दोनों ने साथ में तस्वीरें पोस्ट करना बंद कर दिया था। कभी फैंस के पसंदीदा रहे फैमिली व्लॉग्स भी नजर नहीं आ रहे थे। जून 2024 के बाद कोई भी बड़ा फैमिली कोलैब सामने नहीं आया। हालांकि अगस्त में बेटी तारा के जन्मदिन पर दोनों साथ नजर आए, लेकिन वहां भी उनके बीच दूरी साफ झलक रही थी।

जय और माही की शादी

माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। दोनों ने हमेशा एक-दूसरे का करियर में समर्थन किया और 'परफेक्ट कपल' की मिसाल माने जाते रहे।

फिल्म

कुछ चीजों के लिए ना कहना जरूरी चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान ना कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है।

उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

इंटरव्यू में चित्रांगदा सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं।

धुरंधर' के आगे ढेर 'इक्कीस'

इन दिनों थिएटर में 'धुरंधर', 'इक्कीस', 'तू मेरी मैं तेरा' और हॉलीवुड फिल्म 'अवतार-फायर एंड ऐश' जैसी अलग-अलग जॉनर की फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं।

फिल्म 'इक्कीस' ने चौथे दिन यानी रविवार को पांच करोड़ रुपये की कमाई की है। शनिवार को इसका कलेक्शन 4.65 करोड़ था। दूसरे दिन इसने 3.5 करोड़ रुपये कमाए थे। जबकि फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 20.15 करोड़ रुपये ही हुआ है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को रिलीज हुए 11 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई है। इसने शनिवार को सिर्फ 65 लाख रुपये कमाए थे। अब रविवार को फिल्म ने सिर्फ 75 लाख कमाए। इस फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 32.05 करोड़ रुपये ही हुआ है।

'धुरंधर' ने जारी रखा जोरदार कलेक्शन

'धुरंधर' ने शनिवार को सिनेमाघरों में 31 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म ने अपने पांचवे रविवार यानी 31वें दिन 12.75 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म ने शनिवार को भी 11.75 करोड़ रुपये कमाए थे। इसी के साथ ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब फिल्म कुल 772.25 करोड़ कमा चुकी है। रणवीर की इस फिल्म के आगे दूसरी फिल्मों की कमाई में भारी गिरावट नजर आ रही है।

'अवतार-फायर एंड ऐश'

जेम्स कैमरून निर्देशित हॉलीवुड फिल्म 'अवतार: फायर एंड ऐश' को भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 17 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म ने शनिवार को 4.50 करोड़ रुपये कमाए थे जबकि रविवार को 5.35 करोड़ की कमाई कर डाली। अब फिल्म की कुल कमाई 174.1 करोड़ रुपये हो चुकी है। यह फिल्म भी भारतीय दर्शकों को पसंद आ रही है।

खास खबर

सुकमा में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

सुकमा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार के मार्गदर्शन में निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत आज नगर पालिका परिषद सुकमा में कैटेगरी-सी (नो मैपिंग) मतदाताओं के दस्तावेज़ सत्यापन से संबंधित महत्वपूर्ण सुनवाई आयोजित की गई।यह सत्यापन के उपरांत पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में सम्मिलित करने की प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक विचार किया गया, ताकि कोई भी योग्य नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे।यह संपूर्ण कार्यवाही भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार संचालित की जा रही है, जिसमें अर्हता तिथि : 01 जनवरी 2026, प्रारंभिक प्रकाशन : 23 दिसंबर 2025 एवं दावा एवं आपत्तियों की अंतिम तिथि : 22 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसी क्रम में सभी बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने मतदान केंद्रों के अनमैप्ड मतदाताओं के घर जाकर नोटिस तामिली की जा रही है तथा उन्हें निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया जा रहा है।

पूर्वांचल विकास समिति भवन की बाउंड्री वॉल का हुआ भूमि पूजन

कोरबा। पूर्वांचल विकास समिति की मां- पर भवानी मंदिर कौ्याल्या धाम परिसर के समीप स्थित पूर्वांचल विकास समिति भवन की सुरक्षा के लिए निर्मित की जाने वाली बाउंड्री वॉल का भूमि पूजन प्रदे्या के 'कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवां-न एवं कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत' के कर-कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवां-न ने कहा कि भाजपा सरकार और उसके जनप्रतिनिधि निरंतर सेवा कार्यों में संलग्न हैं तथा किसी भी जकृरतमंद को निरा्या नहीं होने दिया जाए-ा। उन्होंने बताया कि मंत्री बनने के बाद से वे विभिन्न समाजों की मां- के अनुकृप भवन निर्माण एवं विकास कार्यों में ल-ातार सहयो- कर रहे हैं।

नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा मां सर्वमंगला मंदिर घाट पर हसदेव आरती का हुआ भव्य आयोजन

कोरबा। हसदेव नदी और इसकी सहायक नदियों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत नमामि हसदेव सेवा समिति ने 3 जनवरी 2026 (शनिवार) को पौष पूर्णिमा के अवसर पर कोरबा जिले के प्रसिद्ध माँ सर्वमंगला मंदिर घाट पर भव्य हसदेव आरती का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया और हसदेव नदी की स्वच्छता एवं संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

हसदेव नदी के संरक्षण और जल स्त्रोतों की सफाई के प्रति जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रतिमाह की भांति इस बार पौष पूर्णिमा के अवसर पर हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य यजमान के रूप में भोजराम देवांगन (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ) उपस्थित रहे। मुख्य यजमान भोजराम देवांगन ने अपने उद्बोधन में समिति के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि हसदेव नदी के संरक्षण के लिए हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे, ताकि आने वाली पीढियाँ इस नदी का भरपूर उपयोग कर सकें। यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि नदी का पानी शुद्ध और स्वच्छ बने, जिससे क्षेत्र में जल संकट की समस्या से बचा जा सके।

माता शाकम्बरी की कृपा से समाज समृद्धि के पथ पर अग्रसर हो रहा- विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माता शाकम्बरी जयंती के पावन एवं पुण्य अवसर पर शनिवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम मैनपुरी, बीरुटोला, अमलीडीह, बरपेला टोला, सोहागपुर एवं घुघरीखुर्द ग्रामों में आयोजित जयंती समारोहों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता शाकम्बरी की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं जिलेवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सोहागपुर ग्राम में किचन शेड का विधिवत लोकार्पण भी किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने समाजजनों को संबोधित करते हुए माता शाकम्बरी के आदर्शों, सामाजिक समरसता, परिश्रम और सहकारिता की भावना पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकता के सूत्र में बांधने के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पटेल समाज सदैव से परिश्रमी, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज रहा है। माता शाकम्बरी की कृपा से यह समाज धन-धान्य से सम्पन्न रहा है और उसने हमेशा मिल-जुलकर कार्य करने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। मरार-पटेल समाज के भाव में सहकारिता निहित है, जिसके बल पर समाज और सरकार मिलकर विकास के अनेक कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पटेल समाज अपने उद्यम, श्रम और पुरुषार्थ से न केवल स्वयं आगे बढ़ा है, बल्कि समाज के अन्य वर्गों के पोषण और सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आज आवश्यकता है कि अन्य समाज भी पटेल समाज के परिश्रम, अनुशासन और सामूहिकता से सीख लें।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने माता शाकम्बरी से प्रार्थना करते हुए कहा कि माता की कृपा से सभी के घरों में धन-धान्य की वर्षा हो, खेत-खलिहान लहलहाते रहें, सभी नागरिक स्वस्थ और सुखी रहें तथा क्षेत्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर गांव, गरीब, किसान और श्रमिक के उत्थान के लिए सतत प्रयास कर रही है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विभिन्न ग्रामों में चल रहे विकास कार्यों की स्थिति की भी जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए, इसके लिए सभी को मिलकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा।

इस अवसर पर जिला भोयरा मरार पटेल समाज के अध्यक्ष शंकर पटेल, संतोष पटेल, परदेशी पटेल, जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू, विजय पटेल, बोड़ला जनपद अध्यक्ष राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, लोहारा अध्यक्ष संतोष मिश्रा, संतोष पटेल, कांतिराम पटेल, भगत पटेल, ललिता सुखदास पटेल, भीम सिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम कुमार भट्ट, तीरथ पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

मंत्री रामविचार नेताम ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक भ्रमण बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित शैक्षणिक भ्रमण को कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह भ्रमण कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत सूरजपुर जिले के लगभग 200 छात्र-छात्राओं को सरगुजा संभाग के प्रमुख शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों इंदिरा गांधी कृषि अनुसंधान केंद्र, आकाशवाणी केंद्र, दरिमा हवाई पट्टी, ठिनठिनी पत्थर तथा संजय पार्क का भ्रमण कराया जा रहा है। छात्र-छात्राएं महिला एवं पुरुष गाइड शिक्षकों के नेतृत्व में इन संस्थानों का अवलोकन कर आधुनिक कृषि तकनीक, रेडियो प्रसारण प्रणाली तथा हवाई यातायात संचालन से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार और व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना है, जिससे उनका शैक्षणिक विजन व्यापक हो और वे पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन के अनुभव प्राप्त कर सकें। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहा है।

इस अवसर पर पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवीजन सर्वश्री मुरली मनोहर सोनी, राम कृपाल साहू, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, कौशल प्रताप सिंह, संत सिंह, अरविंद मिश्रा, राजेश महलवाला, शंकर जिंदिया, अजय अग्रवाल, राजेश्वर तिवारी, शैलेश अग्रवाल, देव गुप्ता, अशोक अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थित रही।

शैक्षणिक विभाग की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, एपीसी शोभनाथ चौबे, बीआरपी गाइड शिक्षक टंडन, विनोद यादव, हर्ष नारायण शर्मा, गौतम शर्मा, अजीत कुमार गुप्ता, अजय उपाध्याय, श्रीकांत पाण्डेय, लौकेश साहू एवं ज्योति साहू उपस्थित थी।

योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुँचाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जनपद कार्यालय पोड़ी उपरोड़ा के सभाकक्ष में खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोड़ी उपरोड़ा आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत चिन्हित ब्लॉक हैए इसलिए सभी विभाग अपने.अपने सूचकांकों में बेहतर उपलब्धि सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नागए सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेलेए एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा मनोज बंजारे सहित विभागीय अधिकारी एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर दुदावत ने खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए खाद्य निरीक्षकों को सभी राशन दुकानों में गुणवत्तापूर्ण चावल भंडारण एवं वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गुणवत्ताहीन चावल की शिकायत किसी भी स्थिति में नहीं आनी चाहिए तथा इसके लिए नियमित फील्ड विजिट अनिवार्य रूप से की जाए।

पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसी भी पंचायत में पेंशन भुगतान से संबंधित समस्या नहीं होनी चाहिए। पंचायत सचिवों के माध्यम से 59 एवं 64 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्तियों का सर्वे कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गएए ताकि आयु पूर्ण होते ही पेंशन प्रारंभ हो सके।

ग्रामीणों के बीच कलेक्टर की लगी चौपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नवपदस्थ कलेक्टर कुणाल दुदावत ने नए साल की शुरुआत के साथ ही आकांक्षी ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र के दूरस्थ व अंतिम छोर के गाँवों में जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की स्थितियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने जिले की पहचान विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं-बिरहोर बाहुल्य गाँव गुडरुमुडा में चौपाल लगाकर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें दूर करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने गुडरुमुडा, पोड़ी उपरोड़ा, ऐतमानगर, गुरसिया, सालिहां भाठा, लैंगा और अंतिम छोर पर स्थित पसान तक जाकर आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र, बालिका आवासीय छात्रावास, एकलव्य आवासीय विद्यालय, धान खरीदी केंद्र, ऐतमानगर जलप्रदाय योजना, निर्माणाधीन वॉटर फीडर टैंक, निर्माणाधीन पीएम जनमन सड़क, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, निर्माणाधीन विद्यालय भवन, शिक्षकों के आवासीय भवन का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा मनोज बंजारे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर दुदावत ने पीवीटीजी ग्राम गुडरुमुड़ा में ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और चर्चा करते हुए समाधान के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना, उचित मूल्य की दुकान में खाद्यान्न मिलने, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने राशन दुकान में खराब चावल मिलने की शिकायत की तो कलेक्टर ने जांच के निर्देश दिए।

478 आजीविका डबरी निर्माण से मिलेगा रोजगार, बढ़ेगी आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला । जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ - चौकी ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों की आय बढ़ाने तथा स्थायी आजीविका के साधनों को सुदृढ़ करने की दिशा में जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए जिले में कुल 1050 आजीविका डबरी निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से 478 डबरी का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। यह योजना विभिन्न विभागों के कन्वर्जेन्स से संचालित की जा रही है, जिससे ग्रामीण परिवारों को बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे।

युक्तधारा के माध्यम से त्नढ्ढस् आधारित प्लान एवं सैटेलाइट सर्वे के आधार पर आजीविका डबरी निर्माण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डबरी निर्माण से वर्षा जल संचयन, भू-जल रिचार्ज तथा खेतों में आवश्यक सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खरीफ एवं रबी दोनों फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी। साथ ही, पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों से किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। खेती, पशुपालन एवं मत्स्य पालन को मिलेगा बढ़ावा जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों में प्राथमिकता के आधार पर पात्र हितग्राहियों का चयन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जा रहा है। आजीविका डबरी ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन, रोजगार सृजन एवं आय संवर्धन को एक साथ आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। स्व-सहायता समूह की दीदियों के लिए यह योजना खेती-किसानी से जुड़े कार्यों एवं आजीविका सुरक्षा को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर द्वारा विकासखंड मोहला के ग्राम पंचायत मंचादूर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आजीविका डबरी निर्माण को शासन की महत्वपूर्ण योजना बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीणों को रोजगार के साथ-साथ आजीविका से जोड़ने का सशक्त माध्यम मिलेगा। उन्होंने बताया कि जिले में 1050 आजीविका डबरी के निर्माण से बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होंगे, ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ेगी तथा जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ की लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छायाचित्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, सांस्कृतिक विविधता एवं परंपराओं के संरक्षण का सशक्त संदेश देने वाली लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने प्रदर्शनी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सराहनीय प्रयास बताया तथा इस प्रकार के आयोजनों के लिए क्लाउड के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए प्रोत्साहित किया।छत्तीसगढ़ कला, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध भूमि है, जहाँ तीज-त्योहार, लोक-नृत्य और पारंपरिक कलाएँ आज भी उसी उत्साह और गरिमा के साथ संरक्षित हैं। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक-कला एक से बढ़कर है। गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ नृत्य, पंथी और करमा नृत्य जैसी लोक-शैली के साथ बांस शिल्प, मृदा शिल्प और टेराकोटा के साथ ही आयरन और मेटल शिल्प से संबंधित फोटो प्रदर्शनी से विस्तृत जानकारी मिल रही है।त्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, पारंपरिक नृत्यों एवं विविध लोक कलाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से क्लाउड एवं संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित इस विशेष फोटो प्रदर्शनी ने राज्य की जनजातीय, ग्रामीण एवं लोक परंपराओं को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया, जिससे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और अधिक सुदृढ़ हुई। प्रदर्शनी के दौरान केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार सहित ऑस्ट्रेलिया से भी बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। विशेष रूप से युवा वर्ग एवं स्कूली विद्यार्थियों में छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं संस्कृति को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। आगंतुकों ने लोक नृत्य परंपराओं और कलात्मक विरासत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस फोटो प्रदर्शनी में दीपेंद्र दीवान, अखिलेश भरोस, धनेश्वर साहू, हर्षा सिंदूर एवं शौर्य दीवान के छायाचित्र प्रदर्शित किए, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त हुई। आयोजनकर्ता दीपेंद्र दीवान ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रह सकें। यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, संस्कृति अध्येताओं एवं आम नागरिकों के लिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को समझने और अनुभव करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ।

ऑयल पाम खेती से कोरबा के किसानों की बढ़ी आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । राज्य में खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम अब किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रहे हैं। ऑयल पाम जैसी दीर्घकालीन और लाभकारी फसल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने प्रति हेक्टेयर अनुदान के साथ अतिरिक्त टॉप-अप राशि देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर कृषि विभाग द्वारा मंजूर की गई इस नई व्यवस्था से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की दिशा में बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है।

उद्यानिकी विभाग के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार 60:40 के अनुपात में 1.30 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान दे रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 69 हजार 620 रुपये प्रति हेक्टेयर का अतिरिक्त टॉप-अप देने की स्वीकृति दी गई है। इस राशि का उपयोग रख-रखाव, अंतरवर्ती फसल, ड्रिप सिंचाई और फैसिंग के लिए किया जा सकेगा। रख-रखाव के लिए पहले मिलने वाले 5,250 रुपये के साथ अब 1,500 रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। अंतरवर्ती फसल के लिए 5,250 रुपये के साथ 5,000 रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। ड्रिप सिंचाई हेतु 14 हजार 130 रुपये और पहली बार फैसिंग के लिए 54 हजार 485 रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान प्रदान किया जाएगा।

ऑयल पाम एक दीर्घकालीन फसल है, जिसमें रोपण के चौथे वर्ष से उत्पादन शुरू होता है और लगभ 30 वर्षों तक नियमित आय मिलती रहती है। पारंपरिक तिलहनी फसलों की तुलना में इसकी तेल उत्पादन क्षमता चार से छह गुना अधिक है। इसी क्षमता को देखते हुए कोरबा जिले को 200 हेक्टेयर का लक्ष्य प्रदान किया गया है, जिसके विरुद्ध 115 हेक्टेयर में 83 किसानों ने पौध रोपण कर अनुदान का लाभ उठाया है। इन 83 किसानों को अब अंतरवर्ती फसल, रख-रखाव और फैसिंग के लिए मिलने वाली राशि के साथ टॉप-अप सब्सिडी का भी लाभ मिलेगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AAJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रायपुर में बच्चा चोरी के शक में महिला की पिटाई पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पार्वती नगर इलाके में बच्चा चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक महिला को पकड़कर उसके साथ मारपीट कर दी। यह घटना सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला पर आरोप है कि वह मोहल्ले से एक बच्चे को उठाकर ले जाने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होंने महिला को घेर लिया। बच्चा चोरी की आशंका के चलते गुस्साए लोगों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। यह स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है कि वास्तव में बच्चा चोरी की कोई कोशिश हुई थी या फिर यह महज अफ्वाह के कारण हुई हिंसा है। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

रायपुर । राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पंडरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था, तभी तेज रफ्तार से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मालगाड़ी को कुछ देर के लिए रोका गया, वहीं घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा अचानक हुआ और युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला।सूचना मिलने पर पंडरी थाना स्टाफतत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

एटीएम को उखाड़ कर पैसे लूटने का था प्लान, लेकिन पहुंच गई पुलिस

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस की मुस्तैदी ने बड़ी चोरी की वारदात को होने से पहले ही नाकाम कर दिया. कुनकुरी के नेशनल हाइवे-43 पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को निशाना बनाने पहुंचे नकाबपोश बदमाशों की पूरी प्लानिंग उस वक्त धरी रह गई, जब गश्त पर निकली पुलिस टीम अचानक मौके पर पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, कुनकुरी के नेशनल हाइवे-43 स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को पीकअप की मदद से उखाड़ दिया. उन्होंने सीसीटीवी कैसरे से बचने लिए उसपर ब्लैक स्प्रे कर दिया. इस बीच गश्त पर निकली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई. पुलिस को देख नकाबपोश चोरों में हड़कंप मच गया और वह भागने लगे. हालांकि उनके हौसंले बुलंद थे कि पुलिस टीम की टीम पर पथराव कर दिया. राहत की बात रही कि किसी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई.पुलिस की तत्परता से बदमाश एटीएम से कोई भी रकम ले जाने में सफ्ल नहीं हो सके. वह पिकअप वाहन को आधे रास्ते में छोड़कर फ्रार हो गए. जांच में जुटी पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता: विलुप्त वन्य प्राणी पैंगोलिन को स्कॉर्पियो से किया जब्त, वाहन छोड़कर 4 तस्कर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में वाहन चेकिंग के दौरान दरभा पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है। जिसमें विलुप्त वन्य प्राणी पैंगोलिन को स्कॉर्पियो से जब्त किया गया है। नए साल में संदिग्ध वाहन और शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला दरभा थाना क्षेत्र का है। कुटुम्बसर से तीरथगढ़ की ओर स्कॉर्पियो में चार तस्कर जा रहे थे। पुलिस की चेकिंग को देख कर 50 मीटर दूर ही स्कॉर्पियो वाहन में पैंगोलिन को छोड़ कर चारों तस्कर फ्रार हो गए। संदिग्ध वाहन की तलाशी लेने पर स्कॉर्पियो से विलुप्त वन्य प्राणी पैंगोलिन मिला।

आपको बता दें कि, जब्त विलुप्त वन प्राणी पैंगोलिन को वन अफ्सरों को सपुर्द किया गया। स्कॉर्पियो छोड़ कर फ्रार हुए आरोपियों के खिलाफवन अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर स्कॉर्पियो को जब्त किया गया है। फ्लिहाल, वन्य जीव की तस्करी करने वाले फ्रार आरोपियों की तलाश जारी है।

वहीं 5 जनवरी को बलौदाबाजार जिले के सोनाखान अंतर्गत ग्राम बागार में देर रात तेंदुए के हमले से एक हिरण की मौत हो गई। घटना रात करीब 1 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, अनिल चौहान के घर से लगे इंद्रकुमार शर्मा के खेत में तेंदुए ने हिरण पर हमला कर उसे अपना शिकार बनाया। इस घटना की सूचना इंद्रकुमार शर्मा ने प्रशिक्षु आरएफओ और सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कोसमसारा आस्था यादव को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। आगे की कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार की जा रही है।

दरअसल, रिहायशी क्षेत्र में तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इसे देखते हुए सहायक परिक्षेत्र अधिकारी आस्था यादव और परिसर रक्षी बोरसी युधिष्ठिर डडसेना ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि, शाम होते ही लोग घरों में ही रहें। अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और जंगली जानवरों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

20 मवेशियों को कत्लखाना ले जाते आरोपी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। थाना -पाण्डातराई पुलिस को थाना क्षेत्राअंतर्गत अपराध पर अंकुश लगाने धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) के दिशा निर्देश में अति. पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल (रा.पु.से.) व अमित कुमार पटेल (रा.पु.से.) व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अखिलेश कुमार कौशिक (रा.पु.से.) बोडला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पाण्डातराई कमलाकांत शुक्ला के नेतृत्व में पाण्डातराई पुलिस द्वारा वर्षभर अवैध शराब,जुआ,सट्टा व अन्य अपराधिक गतिविधियों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही किया गया।

अपराध में पूरी तरह अंकूश रहा । आज दिनांक 04.01.2026 को प्रार्थी- रोहित यादव निवासी ग्राम डोंगरिया कला थाना थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03.01.2026 के दरम्यानी रात्रि इसके घर कोठा में खुंटे से बंधे एक नग मवेशी भैसा को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर थाना पाण्डातराई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में ?लिया गया विवेचना दौरान चोरी गये मवेशी एवं आरोपी की पतातलाश ?किया गया पतातलाश दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि चोरी गये एक नग मवेशी को आरोपीगण द्वारा क्रुरता पूर्वक हाकते हुये पैदल बिना पानी चारा दिये डोंगरिया कला से खरहट्टा कला की ओर लेकर जा रहे है कि सूचना पर थाना पाण्डातराई पुलिस प्रार्थी एवं गवाहों को साथ लेकर गये जहां ग्राम डोंगरिया कला के बगीचा के पास चोरी गये मवेशी को देखकर प्रार्थी ने स्वयं का मवेशी होना पहचान किया आरोपीयों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी 1.किशन कुमार डाहिरे, 2. विजय कुमार टंडन सभी निवासी ग्राम कुई थाना कुकदूर जिला कबीरधाम एवं दो अन्य नाबालिक कुल 20 नग मवेशियों को पैदल क्रुरता पूर्वक हाकते पैदल कत्ल खाना ले जाना एवं ग्राम डोंगरिया कला से एक मकान कोठा के अंदर से 01 नग भैसा को चोरी कर साथ में लेकर जाना अपराध स्वीकार किये जिनसे मवेशियों को ले जाने के संबंध में वैध दस्तावेज पेश करने नोटिस देकर मांग किया जो नोटिस में कोई दस्तावेज नहीं होना लिखित में दिये से 20 नग भैंसा कीमती 200000 रूपये एवं चोरी गये एक नग भैसा कीमती-40,000 रूपये को जप्त किया उपरोक्त आरोपीयों का कृत्य धारा- 331(4),305(क) धारा-4,6,10 एवं पशु क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11 का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीयों को गिर. कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

दो अलग-अलग घटनाओं में तीन की मौत आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात नियमों को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सड़क हादसों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। रविवार को कोरबा जिले में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद गुस्साए लोगों ने चक्काजाम कर दिया, जिससे कई घंटों तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही।

पहली घटना कटघोरा-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर बगदेवा के पास रविवार शाम करीब 4.30 बजे की है। यहां तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क पार कर रही करतली निवासी नीलम दास मानिकपुरी (55 वर्ष) को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही

परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और चक्काजाम कर दिया, जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर पुलिस बल और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उचित मुआवजे के आश्वासन के बाद करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद चक्काजाम समाप्त कराया जा सका।

दूसरी घटना रविवार देर शाम करीब 7.30 बजे दर्री मुख्य मार्ग पर हुई। दर्री बाजार से सब्जी लेकर मोपेड से कोहड़िया लौट रही मां-बेटी को तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद भी स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और सड़क पर चक्काजाम कर दिया गया।

जिले में सड़क हादसों का प्रमुख कारण तेज रफ्तार वाहन बनते जा रहे हैं। इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस विभाग द्वारा इंटरसेप्टर वाहन तैनात किए गए हैं, जिनकी मदद से वाहनों की गति मापकर चालानी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष 3000 से अधिक वाहनों से 30 लाख 54 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में सड़क हादसों में जान गंवाने वाले 374 लोगों में से करीब 250 लोगों, यानी लगभग 70 प्रतिशत की मौत का कारण ओवरस्पीडिंग रही। औद्योगिक जिला होने के कारण कोरबा की सड़कों पर कोयला, एल्युमिनियम, राखड़ समेत अन्य सामग्री ढोने वाले भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसी वजह से जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वर्ष 2025 में जिले में कुल 885 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 770 लोग घायल हुए और 374 लोगों की जान चली गई। औसतन जिले में हर दिन एक व्यक्ति सड़क हादसे में अपनी जान गंवा रहा है, जो सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय है।

शराब तस्करी करने वाले 2 युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के पद्मनाभपुर पुलिस ने दूसरे राज्यों से अवैध रूप से शराब लाकर शहर में संगठित तरीके से बिक्री करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बिना होलोग्राम लगी भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब, स्कूटी और मोबाइल सहित कुल 78 हजार 200 रुपए की सामग्री जब्त की गई है।

मामले में तीन आरोपी फ्रार चल रहे हैं। जिसकी तलाश की जा रही है। दरअसल, 4 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवक स्कूटी से शराब लेकर बिक्री के लिए बोरसीभाठा रेलवे फाटक की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर स्कूटी सवार युवकों को पकड़ा।

पूछताछ में दोनों ने अपना नाम ग्राम

धनोरा निवासी संतोष गिरी (47) और सेक्टर-5 भिलाई नगर राज नायक (19) बताया। तलाशी के दौरान आरोपी राज नायक के कब्जे से स्कूटी में रखी प्लास्टिक बोरी से 10 बोतल रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की (7.50 बल्क लीटर, कीमत 8,400 रुपए), एक सिल्वर रंग की एक्टिवा (कीमत 40,000 रुपए) और एक एंड्रॉयड मोबाइल (कीमत 15,000 रुपए) बरामद किया गया।

वहीं, आरोपी संतोष गिरी के पास से खाकी रंग के कार्टन में भरे 48 पौवा रॉयल ब्लू माल्ट व्हिस्की (8.64 बल्क लीटर, कीमत 4,800 रुपए) और सैमसंग कंपनी का मोबाइल (कीमत 10,000 रुपए) जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने अन्य तीन साथियों के साथ मिलकर दूसरे राज्यों से अवैध रूप से शराब लाकर दुर्ग-भिलाई शहर में बेचते थे।

इस पूरे मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के साथ धारा 111(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल भेजा गया है। साथ ही पुलिस फ्रार आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

दोगुना मुनाफा दिलाने के नाम पर 1.31 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दोगुनी रकम कमाने का लालच देकर एक व्यक्ति से 1 करोड़ 31 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, हेमूनगर निवासी कुलवीर सिंह भट्टी पहले हैवंस कंपनी में कार्यरत थे। बाद में उन्होंने नौकरी छोड़ दी। मई 2025 में उनके मोबाइल पर अनजान मोबाइल नंबर से एक लिंक आया। उन्होंने लिंक सर्च किया तो मैसेज आया। उसमें पैसा लगाने पर दोगुना कमाने की बात कही गई थी।ठगों की बातों में आकर कुलवीर सिंह भट्टी ने पैसे जमा करना शुरू कर दिया। मोबाइल धारकों ने अलग-अलग तरीकों से झांसा देकर उनसे लगातार रकम जमा करवाई। इसके लिए उन्होंने घर के जेवरात गिरवी रखे और रिश्तेदारों से उधार लेकर भी पैसे जमा किए।

करीब 8 माह के भीतर उन्होंने कुल 1 करोड़ 31 लाख रुपये निवेश कर दिए।जब उन्होंने जमा राशि की दोगुनी रकम की मांग की तो आरोपियों ने 85 हजार रुपये और जमा करने पर भुगतान करने की बात कहकर उन्हें टालते रहे। इसके बाद संबंधित मोबाइल नंबर बंद कर दिए गए। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों और रिश्तेदारों को दी, तब उन्हें ऑनलाइन ठगी का शिकार होने का एहसास हुआ।

दुकान बंद कर लौट रहे सेलून संचालक को नकाबपोश ने मारा चाकू, आईसीयू में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई में चाकूबाजी की एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां पर दिनदहाड़े एक युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया गया है। शास्त्री नगर केम्प-01 स्थित उड़िया मोहल्ला में रविवार को अज्ञात बदमाश ने सैलून संचालक के बेटे पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां वह आईसीयू में भर्ती है।

पुलिस के अनुसार शिव मंदिर के पास उड़िया मोहल्ला निवासी सैलून संचालक, जो 18 नंबर

रोड पर पटेल डेयरी के पास 'द क्लासिक कट्स' नाम से सैलून चलाते हैं, का बेटा पूनाराम सेन उर्फ विक्की रविवार रात करीब 9.30 बजे दुकान बंद कर घर लौट रहा था। जब वह अपने घर के पास गली में पहुंचा, तभी वहां पहले से मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर हमला कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने अपने मुंह में गमछा बांध रखा था, जिससे उसकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। आरोपी के हाथ में चाकू था और उसने युवक पर जान से मारने की नीयत से प्राणघातक वार किया। चाकू युवक की पीठ में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फ्रार हो चुका था।

घटना की जानकारी मिलते ही घायल युवक के पिता और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और उसे तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे के बड़े अफ्सर भी मौके पर पहुंचे थे। आरोपी की तलाश में कई टीमें बनाई गई है। इस मामले में पुलिस की टीम ने कार्रवाई तेज कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। फ्लिहाल घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फूटेज चेक किए हैं, लेकिन उसमें किसी भी तरह की अहम जानकारी पुलिस के हाथ नहीं लगी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- 81,533 पालकों का पंजीयनः देश में पहले स्थान पर छत्तीसगढ़
- परीक्षा पे चर्चा में छत्तीसगढ़ अव्वलः देश के अभिभावकों के लिए बना रोल मॉडल

परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धिः पालक सहभागिता में देश में प्रथम

पालक सहभागिता में देश में प्रथम स्थान गौरव की बात : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा को तनावमुक्त उत्सव के रूप में मनाने की पहल परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ ने पालकों की भागीदारी में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब तक छत्तीसगढ़ से 25.16 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन किया है, जिनमें 22.75 लाख विद्यार्थी, 1.55 लाख शिक्षक और 81,533 पालक शामिल हैं। यह उपलब्धि राज्य में परीक्षा प्रबंधन, समय प्रबंधन, पालकों को अपने बच्चों को परीक्षा में अधिक अंक लाने हेतु अनावश्यक दबाव देने से बचने तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए किए जा रहे सुनियोजित प्रयासों को दर्शाती है।

'परीक्षा पे चर्चा' में पालकों की भागीदारी के मामले में छत्तीसगढ़ पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। कुल पंजीयन के मामले में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर चौथे स्थान पर है। बलोदाबाजार जिले में 14,658 तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 9,952 पालकों द्वारा पंजीयन किया गया है, जो इस अभियान के प्रति अभिभावकों की बढ़ती जागरूकता, सहभागिता और विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। यह उपलब्धि केवल संख्यात्मक सफलता नहीं है, बल्कि यह परीक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव का भी संकेत देती है।

इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे राज्य में अपनाई गई नवाचारपूर्ण रणनीतियाँ महत्वपूर्ण रही हैं। जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की गई, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों पर ऑन-साइट पंजीयन की व्यवस्था की गई तथा युवा क्लब और अंगनाम शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय को बड़े पैमाने पर जोड़ा गया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में आयोजित परीक्षा पे चर्चा मेला से एक ही दिन में 10,000 से अधिक पंजीयन दर्ज हुए, जबकि इससे पहले प्रतिदिन औसत पंजीयन लगभग 1500 के आसपास था। पिछले प्रयासों के रूप में आयोजित शिक्षक-पालक सम्मेलन और मेगा पीटीएम ने भी अभिभावकों की सजगता और सहभागिता को नई दिशा दी है। परीक्षा पे चर्चा से जुड़े प्रेरक अनुभव भी लगातार सामने आ रहे हैं। पिछले वर्ष इस कार्यक्रम में शामिल हुई कु. युक्तामुखी ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस वर्ष अधिक से अधिक विद्यार्थियों से पंजीयन कर अपने प्रश्न पूछने की अपील की है। उनका प्रेरक संदेश विद्यार्थियों में उत्साह, आत्मविश्वास और सक्रिय सहभागिता की भावना जागृत कर रहा है। इसी प्रकार सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में शीतकालीन अवकाश के दौरान आयोजित परीक्षा पे चर्चा मेला में सभी विद्यालयों, समुदाय, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और इस आयोजन के परिणामस्वरूप एक ही दिन में 10,000 से अधिक पंजीयन हुए। इस सफलता से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी परीक्षा पे चर्चा मेलों का आयोजन किया जा रहा है और लोग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में परीक्षा पे चर्चा में शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण स्थलों पर ही पंजीयन की व्यवस्था की गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को पंजीयन प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई और वहीं पर पंजीयन कराने में सहयोग दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षकों द्वारा बहुत बड़ी संख्या में पंजीयन किया गया। पंजीयन प्रक्रिया 11 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी और इस बात की पूरी संभावना है कि छत्तीसगढ़ में 30 लाख से अधिक पंजीयन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि परीक्षा पे चर्चा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वार्षिक संवाद कार्यक्रम है, जिसमें वे विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों से सीधे संवाद करते हैं। इस संवाद में परीक्षा से जुड़ी चुनौतियों, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों पर मार्गदर्शन दिया जाता है तथा पालकों को यह संदेश भी दिया जाता है कि वे अधिक अंक लाने के लिए अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि बच्चों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाएँ। यह पहल अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है और परीक्षा को तनाव का विषय न मानकर उत्सव के रूप में मनाने की व्यापक सामाजिक चेतना विकसित कर रही है।

परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त की गई यह उपलब्धि पूरे राज्य के विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा को तनाव नहीं बल्कि उत्सव के रूप में मनाने का जो संदेश दिया गया है, उसे छत्तीसगढ़ ने दिल से अपनाया है। कुल पंजीयन में देश में चौथा स्थान और पालक सहभागिता में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि हमारे यहां अभिभावकों में भी जागरूकता बढ़ी है और वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि इसी उत्साह के साथ हम 30 लाख से अधिक पंजीयन के लक्ष्य को भी प्राप्त करेंगे और परीक्षा को तनावमुक्त बनाने के इस अभियान को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाते रहेंगे।

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जिले में पहली बार होगा मिलेट्स महोत्सव

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अभिनव पहल से श्रीअन्न को मिलेगा नया मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में पोषण सुरक्षा, किसान समृद्धि एवं सतत कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा पहली बार मिलेट्स महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की विशेष पहल पर यह आयोजन 5 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होगा।

इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं आम नागरिकों को मिलेट्स (श्रीअन्न) की खेती, पोषण मूल्य, स्वास्थ्य लाभ एवं विपणन संभावनाओं से व्यापक रूप से अवगत कराना है। यह आयोजन जिले को स्वस्थ समाज और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में एक नई पहचान दिलाने की ओर अग्रसर करेगा।

महोत्सव के दौरान जिले में उत्पादित कोदो, कुटकी, रागी सहित विभिन्न प्रकार के मिलेट्स एवं उनसे तैयार पोषक, स्वादिष्ट और पारंपरिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उपस्थित नागरिक इन व्यंजनों का स्वाद लेकर मिलेट्स आधारित खानपान को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

इस अवसर को और भी गरिमामयी बनाते हुए पद्मश्री सम्मानित डॉ. खादर वल्ली विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे किसानों एवं नागरिकों को मिलेट्स के नियमित सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभ, जीवनशैली में इसके महत्व, मधुमेह, हृदय रोग एवं पाचन संबंधी समस्याओं में इसकी भूमिका तथा वैज्ञानिक खेती एवं विपणन के अवसरों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मिलेट्स में प्रचुर मात्रा में फाइबर, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन एवं आवश्यक खनिज तत्व पाए जाते हैं। यह फसल कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु अनुकूल एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, जिससे किसानों की लागत घटने के साथ उनकी आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए चयन ट्रायल 6-8 जनवरी को रायपुर और बिलासपुर में

क्यूआर कोड और रजिस्ट्रेशन लिंक से कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीयन, ट्रायलस्थल पर ऑफलाइन पंजीयन भी होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में राज्य की ओर से खेलने वाली टीमों के चयन के लिए ट्रायल 6 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर और बिलासपुर में आयोजित किए जा रहे हैं।

नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इसमें भागीदारी के लिए वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के खिलाड़ियों का ट्रायल रायपुर में आयोजित किया गया है। वहीं तीरंदाजी, एथलेटिक्स और तैराकी के खिलाड़ियों के ट्रायल बिलासपुर में होंगे। इच्छुक खिलाड़ी मोबाइल नम्बर +91-8871419609 पर फोन कर या वेबसाइट http//sportsyw.cg.gov.in के माध्यम चयन ट्रायल संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ी अपना ऑनलाइन पंजीयन क्यूआर कोड और रजिस्ट्रेशन लिंक से कर सकते हैं। सभी ट्रायलस्थलों पर ऑफ्लाइन पंजीयन भी किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के स्थायी निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे। महिला एवं पुरूष दोनों वर्गों में पात्र खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने ट्रायल में हिस्सा लेने पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों से अपने अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र और आधार कॉर्ड/स्थानीय प्रमाण पत्र की मूल कॉपी साथ लाने को कहा है।

रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में 6 जनवरी को सवेरे नौ बजे से वेट-लिफ्टिंग, 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से कुश्ती तथा 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से फुटबॉल के लिए ट्रायल होंगे। 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल होगा।

बिलासपुर के स्वर्गीय बी.आर. यादव स्टेडियम में 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से तीरंदाजी और एथलेटिक्स के ट्रायल होंगे। बिलासपुर के सरकंडा स्थित जिला खेल परिसर में 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से तैराकी खिलाड़ियों का ट्रायल होगा।

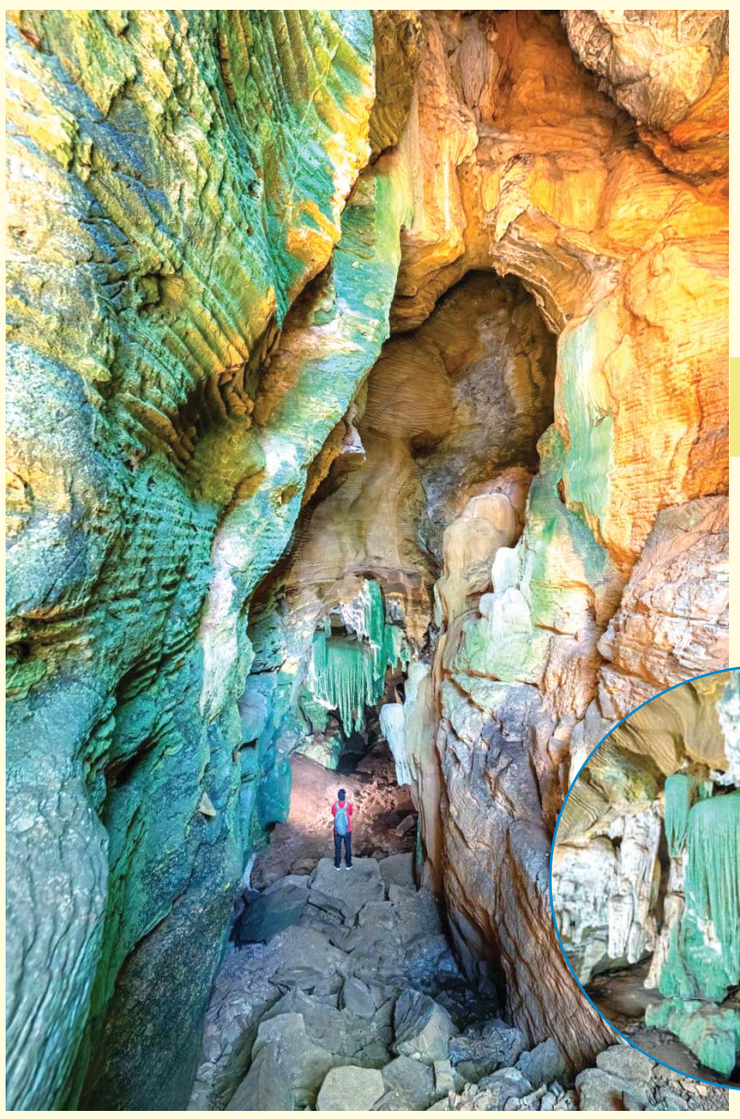

कांगेर घाटी में अनोखी 'ग्रीन गुफा'

जल्द खुलेंगे पर्यटन के नए द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और विश्व-प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के लिए देश-विदेश में विख्यात है। इसी कड़ी में अब कांगेर घाटी में एक और अनोखी प्राकृतिक स्थलाकृति सामने आई है, जिसे ग्रीन केव (ग्रीन गुफा) नाम दिया गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा पर्यटन और वन्य धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। वन मंत्री श्री कश्यप ने स्पष्ट किया है कि ग्रीन गुफा के पर्यटन मानचित्र में शामिल होने से कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय विकास को गति प्राप्त होगी और शीघ्र ही पर्यटक इस अद्भुत गुफा की प्राकृतिक खूबसूरती का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकेंगे। वन विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां पूर्ण किए जाने के बाद शीघ्र ही इस गुफा को पर्यटकों के लिए खोले जाने की योजना है।

उल्लेखनीय है कि यह ग्रीन गुफा कोटुमसर परिसर के कंपार्टमेंट क्रमांक 85 में स्थित है। गुफा की दीवारों और छत से लटकती चूने की आकृतियों (स्टैलेक्टाइट्स) पर हरे रंग की सूक्ष्मजीवी परतें पाई जाती हैं, जिसके कारण इसे ग्रीन केव नाम दिया गया है। चूना पत्थर और शैल से निर्मित यह गुफा कांगेर घाटी की दुर्लभ और विशिष्ट गुफाओं में से एक मानी जा रही है।

ग्रीन गुफा तक पहुंचने का मार्ग बड़े-बड़े पत्थरों से होकर गुजरता है। गुफा में प्रवेश करते ही सूक्ष्मजीवी जमाव से ढकी हरी दीवारें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। आगे बढ़ने पर एक विशाल कक्ष दिखाई देता है, जहां से भीतर की ओर चमकदार और विशाल स्टैलेक्टाइट्स तथा फ्लो-स्टोन (बहते पानी से बनी पत्थर की परतें) देखने को मिलती हैं, जो गुफा की प्राकृतिक भव्यता को और भी बढ़ा देती हैं।

घने जंगलों के मध्य स्थित यह गुफा अपनी अनोखी संरचना और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बनने जा रही है। वन विभाग द्वारा गुफा की सुरक्षा एवं नियमित निगरानी की जा रही है। साथ ही पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पहुंच मार्ग, पैदल पथ तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का विकास कार्य प्रगति पर है। वन विभाग द्वारा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख व्ही. श्रीनिवासन तथा प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) अरुण पांडे का मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मजबूत सड़क नेटवर्क से अंतिम छोर के गांव तक पहुंचेगी विकास की रौशनी - विजय शर्मा

ग्रामीण अंचलों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवहन की मिलेगी बेहतर सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 18 करोड़ रूपए की लागत से स्वीकृत दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम के पश्चात सड़क निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सुदृढ़ सड़क नेटवर्क किसी भी क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास की बुनियाद होता है। विष्णुदेव साय सरकार का लक्ष्य है कि अंतिम छोर पर बसे गांव तक भी मजबूत और सुरक्षित सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं सहज रूप से प्राप्त हो सकें। भूमिपूजन किए गए सड़क निर्माण कार्यों में मेन रोड से लासाटोला तक 9.89 करोड़ रूपए की लागत की 15.20 किलोमीटर लंबी सड़क एवं एन.एच.-12ए से भेदली तक 8.13 करोड़ रूपए लागत की 12.91 किमी लंबी सड़क का निर्माण शामिल है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से लासाटोला, बदराडीह, बम्हनी, महारटोला, नवागांव, नेवासपुर सहित आसपास के अनेक गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही मेन रोड से भेदली जुड़ जाने से भीमपुरी, झिरोनी, जिंदा, खैरझीटी खुर्द, कुटकी पारा, सोनपुरी एवं थूहा डीह के ग्रामीणों को भी बेहतर सड़क सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट और दृढ़ लक्ष्य है कि विकास की रोशनी अंतिम छोर पर बसे गांव तक पहुंचे। इसके लिए मजबूत, सुरक्षित और सर्वमौसम सड़क संपर्क को प्राथमिकता के साथ विकसित किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी, किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होगी तथा व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाने में सुगमता मिलेगी और गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना संभव हो सकेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़क, पुल, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का संकल्प है कि हर गांव को मुख्य मार्ग से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जाए।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा शासन के प्रति आभार जताया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950